सुबह का सबेरा
नई खबरों के साथ....

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सत्य सवेरा

www.satysavera.in

आवश्यकता है

हिंदी दैनिक सत्य सवेरा समाचार पत्र में उत्तर प्रदेश के सभी जिले वह तहसील ब्लाक स्तर न्याय पंचायत पर संवाददाता विज्ञापन प्रतिनिधियों की आवश्यकता है ।

संपर्क करें 7398687275, 9838720165

वर्ष : 01 अंक : 124 | आजमगढ़, गुरूवार 04 दिसम्बर 2025 | PRGI NO. UPHIN/25/A1953 | मूल्य –2 रूपये पृष्ठ–08

एक नजर....

लालकिला विस्फोट: आरोपी जासिर बिलाल वानी की हिरासत सात दिन बढ़ाई गई

नयी दिल्ली यहां लाल किले के निकट हुए विस्फोट के मामले में आरोपी जासिर बिलाल वानी की एनआईए हिरासत बुधवार को दिल्ली की एक अदालत ने सात दिन के लिये बढ़ा दी। प्रधान सत्र एवं जिला न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना ने 27 नवंबर को जासिर को सात दिन के लिए राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की हिरासत में भेज दिया था, जिसकी अवधि बुधवार को खत्म हो रही थी। जम्मू– कश्मीर के अनंतनाग में काजीगुंड का निवासी वानी आत्मघाती बम हमलावर उमर का कथित तौर पर करीबी सहयोगी है। उसे दिल्ली के लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए घातक कार विस्फोट से पहले ड्रोन में छेड़छाड़ करके रॉकेट बनाने की कोशिश के लिए तकनीकी मदद मुहैया कराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

एसआईआर पर दो दिन गतिरोध के बाद कार्यवाही सुचारू तरीके से शुरू, प्रश्नकाल शांति से संपन्न

नयी दिल्ली संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार को शुरू होने के बाद से बुधवार को पहली बार लोकसभा में प्रश्नकाल की कार्यवाही सुचारू रूप से संपन्न हुई। इससे पहले दो दिन तक मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही बाधित रही। मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में सभी दलों के नेताओं की बैठक में सहमति बनी कि सदन में सोमवार को वंदे मातरम की रचना के 150 वर्ष पूरे होने के विषय पर और मंगलवार तथा बुधवार को चुनाव सुधारों के विषय पर चर्चा होगी। इसके बाद सदन में गतिरोध समाप्त होने के आसार नजर आए। बुधवार को लोकसभा की बैठक शुरू होने पर अध्यक्ष ने तीन पूर्व सदस्यों– कालीप्रसाद पांडेय (आठवीं लोकसभा में बिहार के गोपालगंज संसदीय क्षेत्र से सदस्य), रामेश्वर डूडी (13वीं लोकसभा में राजस्थान के बीकानेर से सदस्य) और श्याम सुंदर लाल (छठी लोकसभा में राजस्थान के तत्कालीन बयाना संसदीय क्षेत्र से सदस्य) के निधन की सूचना दी और सभा ने कुछ पल मौन रखकर पूर्व सांसदों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद सदन में प्रश्नकाल शुरू हुआ और अश्विनी वैष्णव, प्रह्लाद जोशी, ज्योतिरादित्य सिंधिया और राव इंद्रजीत सिंह समेत केंद्रीय मंत्रियों ने संबंधित पूरक प्रश्नों के उत्तर दिए। इसके बाद शून्यकाल की कार्यवाही भी शांति से शुरू हुई।

देश में बड़ा विमानन संकट

इंडिगो ने क्रू की कमी के चलते 70 से ज्यादा उड़ानें की रद्द

कंपनी ने बताई तकनीकी खामियों की बात

(न्यूज एजेंसी)
नई दिल्ली।भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने बुधवार को 70 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं। इनमें बेंगलुरु और मुंबई हवाईअड्डों से जाने वाली उड़ानें भी शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार मुख्य रूप से चालक दल की कमी के कारण विमानों को रद्द करना पड़ा। इंडिगो की कई उड़ानें विभिन्न हवाई अड्डों पर लेट रहीं, क्योंकि कंपनी को अपनी उड़ानों के संचालन के लिए चालक दल जुटाने में परेशानी हुई। इंडिगो ने भी स्वीकार किया है कि उड़ानें रद्द की गई हैं और देरी हुई है।एयरलाइन के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि पिछले कुछ दिनों में प्रौद्योगिकी संबंधी समस्याओं, हवाईअड्डे पर भीड़भाड़ और परिचालन संबंधी आवश्यकताओं सहित विभिन्न कारणों से कई उड़ानों में अपरिहार्य देरी हुई है और कुछ उड़ानें रद्द हुई हैं।ृ पीटीआई ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि एफडीटीएल मानदंडों के दूसरे चरण के कार्यान्वयन के बाद से इंडिगो को चालक दल की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है, जिसके कारण हवाई अड्डों पर उड़ानें रद्द हो रही हैं और परिचालन में भारी देरी हो रही है। सूत्र ने कहा, एयरलाइन के लिए मंगलवार को स्थिति खराब हो गई और बुधवार को यह कमी और भी बदतर हो गई, जब देश के विभिन्न हवाई अड्डों से कई उड़ानें रद्द कर दी गईं और देरी से उड़ान भरी गईं।परिचालन संबंधी महत्वपूर्ण व्यवधानों का सामना कर रही देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने बुधवार को कहा कि उसने परिचालन को सामान्य करने के लिए अगले 48 घंटों के लिए अपने समय–सारिणी में सुनियोजित तरीके से बदलाव किया है। सूत्रों के अनुसार, अगले 48 घंटों के लिए एयरलाइन समायोजन के तहत उड़ानों को रद्द करेगी या उनके समय में बदलाव करेगी। बुधवार को अपने दूसरे बयान में इंडिगो के प्रवक्ता ने स्वीकार किया कि पिछले दो दिनों से पूरे नेटवर्क में उसका परिचालन काफी बाधित रहा है, और उन्होंने यात्रियों से असुविधा के लिए खेद जताया। एयरलाइन ने कहा, ष्छोटी–मोटी तकनीकी गड़बड़ियों, सर्दियों के मौसम के कारण शेड्यूल में बदलाव, खराब मौसम, विमानन प्रणाली में भीड़भाड़ बढ़ने और नए क्रू रोस्टरिंग नियमों (फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन) के कार्यान्वयन के कारण परिचालन के स्तर पर अप्रत्याशित चुनौतियां आईं। इन चुनौतियों का पहले से अनुमान लगाना संभव नहीं था।

सरकार ने संचार साथी एप के प्री इंस्टालेशन की अनिवार्यता हटाई

नई दिल्ली। संचार साथी एप कर केंद्र सरकार का बड़ा बयान सामने आया है। सरकार ने फोन में इस एप के प्री–इंस्टॉलेशन को जरूरी नहीं बताया है। दूरसंचार मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट जारी कर इस एप की प्री–इंस्टॉलेशन की अनिवार्यता को हटाने की जानकारी दी है।मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में कहा, ष्सभी नागरिकों को साइबर सुरक्षा का लाभ देने के उद्देश्य से सरकार ने सभी स्मार्टफोन्स में संचार साथी एप को प्री–इंस्टॉल करना अनिवार्य किया था। यह एप पूरी तरह सुरक्षित है और इसका मकसद सिर्फ नागरिकों को साइबर दुनिया के अपराधियों से बचाना है... संचार साथी की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए, सरकार ने मोबाइल निर्माताओं के लिए अनिवार्य प्री–इंस्टॉलेशन को हटाने का फैसला लिया है।बता दें कि केंद्र सरकार के इस कदम को एपल के फैसले से भी जोड़कर देखा जा रहा है। 28 नवंबर को सरकार से आदेश मिलने के बाद स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी एपल (।चचसम) ने इसका पालन करने से इंकार कर दिया था। कंपनी ने कहा था कि यह कदम पचेवदम यूजर्स के निजी डेटा को खतरे में डाल सकता है। एपल ने रॉयटर्स के हवाले से कहा था कि कंपनी अपनी चिंताएं सरकार के सामने रखेगी।
मंत्रायल के मुताबिक यह एप जन भागीदारी को बढ़ावा देता है, क्योंकि नागरिक किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की रिपोर्ट कर सकते हैं और खुद को सुरक्षित रख सकते हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस एप का कोई अन्य उद्देश्य नहीं है और यदि उपयोगकर्ता चाहें तो वे इसे कभी भी अनइंस्टॉल कर सकते हैं।

7 महीने बाद द्रुंग वाटरफाल फिर से खुला, टंगमर्ग राइडर्स को रोजी-रोटी में मिली मदद

जम्मू । प्रख्यात द्रुंग वाटरफाल की जमी हुई खूबसूरती ने एक बार फिर टूरिस्टों को अपनी ओर खींचना शुरू कर दिया है, जिससे टंगमर्ग में एटीवी राइडर्स को छह महीने से ज्यादा समय से हो रही मुश्किल से कुछ राहत मिली है। टंगमर्ग के पास सर्दियों में घूमने की एक खास जगह, मशहूर द्रुंग वाटरफाल, 22 अप्रैल के पहलगाम हमले के उपरांत सुरक्षा कारणों से सात महीने तक बंद रहने के बाद पिछले सोमवार को फिर से खुल गया। इसके फिर से खुलने से लोकल एटीवी राइडर्स में उम्मीद जगी है, जिनकी रोजी–रोटी काफी हद तक इस खूबसूरत जगह पर आने वाले टूरिस्ट पर निर्भर करती है।पत्रकारों से बात करते हुए, एटीवी राइडर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट, मोहम्मद सुभान मीर ने थोड़ी उम्मीद जताई। उन्होंने माना कि हालांकि टूरिस्ट की संख्या अभी पूरी तरह से नहीं बढ़ी है, लेकिन आने वाले हफ्तों में आने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि अभी, 87 में से लगभग 25–30 एटीवी रोजाना चल रही हैं, जो एडवेंचर पसंद करने वाले टूरिस्ट को 14 किमी की रोमांचक राइड पर ले जाती हैं, जो द्रुंग वाटरफाल के शानदार जमे हुए झरनों तक ले जाती हैं।मीर ने बताया कि आपरेटरों को मुश्किलें झेलनी पड़ीं, और कहा कि हम सब अकेले हैं, और उधार वगैरह लेकर गुजारा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कैसे राइडर्स ने बंद के समय में मुश्किलें झेलीं, लोन और कम मौकों के सहारे गुजारा किया। फिर से खुलने से टंगमर्ग की टूरिज्म पर निर्भर इकानमी को सपोर्ट मिला है, जहां लोकल लोगों की रोजी–रोटी ऐसी जगहों पर टिकी है। इस बीच, द्रुंग वाटरफाल को देखने टूरिस्ट धीरे–धीरे आने लगे हैं, और साइट के जमे हुए झरनों और शांत सर्दियों के आकर्षण की तारीफ कर रहे हैं। कई लोगों ने जमे हुए झरने की सुंदरता और आस–पास की शांति की तारीफ की, और अपने अनुभवों को रोमांचक और ताजा करने वाला बताया। लोकल गाइड और राइडर्स ने यात्रियों से बिना किसी डर के कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता देखने की अपील की, और बेहतर सुरक्षा इंतजामों का हवाला दिया जो सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करते हैं। लोगों ने उम्मीद जताई कि द्रुंग वाटरफाल के फिर से खुलने से न सिर्फ एक जरूरी टूरिज्म हाटस्पाट फिर से शुरू होगा, बल्कि लोकल इकानमी में भी जान आएगी, जिससे एटीवी राइडर्स और टूरिज्म से चलने वाली इस रोजी–रोटी पर निर्भर दूसरे लोगों को उम्मीद और स्थिरता मिलेगी।

कैटेगरी सी में डाल दिए अखिलेश यादव, शिवपाल के वोट :रामगोपाल

सपा कार्यकर्ताओं एसआईआर में पात्रों के नाम सूची में हर हाल में जुड़वाए

मैनपुरी। चुनाव आयोग के एसआईआर अभियान को सपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव ने वोट काटने की प्रक्रिया बताया। उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, शिवपाल यादव व स्वयं का वोट कैटेगरी सी में डालने का आरोप भी प्रशासन पर लगाया। कार्यकर्ताओं को एसआईआर में पात्रों के नाम सूची में हर हाल में जुड़वाने के लिए प्रेरित किया। मंगलवार को बस स्टैंड के पास शिव वाटिका में आयोजित विधानसभा स्तरीय समीक्षा बैठक में प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव ने कार्यकर्ताओं से बूथ वार अब तक बनवाए गए वोटों का ब्योरा जानकर शेष दिनों में काम में तेजी लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के जरिए वोट काटने का अभियान चल रहा है। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी के डिलीवरी और ड्रामा वाले बयान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे मणिपुर जैसे संवेदनशील मुद्दे पर एक शब्द नहीं बोल पाए। देश की संसद में एसआईआर को लेकर हो रही तकरार पर उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा जनहित के मुद्दों से ध्यान भटकाने का काम करती है।प्रो. यादव ने भोगांव विधानसभा में अब तक बूथों पर एसआईआर अभियान में बनाए गए वोटों का प्रतिशत जानने के लिए कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया। उन्होंने कहा कि पहले चरण में ज्यादा से ज्यादा वोट बनवाने का प्रयास करें। निर्वाचन आयोग ने समय सीमा को बढ़ाने में विपक्षी दलों की मांग का ध्यान नहीं रखा है। बैठक में सपा जिलाध्यक्ष आलोक शाक्य, पूर्व एमएलसी अरविंद प्रताप यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष खुमान सिंह वर्मा, महासचिव रामनरायन बाथम, रश्मि राजपूत, अभिलाख सिंह, कमलेश शाक्य, राजू वर्मा, राजेश पेंटर, योगेश कठेरिया, रामसरन यादव, रामवीर सिंह, ज्योत्सना यादव, ओमशरण यादव, कमल वर्मा मौजूद रहे।

सर्दी आते ही कश्मीर में करीब 500 मेगावाट बिजली की हुई कमी

जम्मू कश्मीर में सर्दियों की शुरूआत के साथ ही कश्मीरियों को बिजली की कमी का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि पावर डेवलपमेंट डिपार्टमेंट को कश्मीर घाटी में 'असली बिजली की मांग को पूरा करने के लिए करीब 500 मेगावाट की कमी' का सामना करना पड़ रहा है, जिससे लोगों को लंबे समय तक ब्लैकआउट का सामना करना पड़ रहा है। एक अधिकारी ने इसक पुष्टि करते हुए कहा कि कश्मीर में असल पीक पावर डिमांड कम से कम 2400 मेगावाट है, लेकिन लोकल डिस्कॉम (कश्मीर पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड इस साल अब तक सिर्फ 1900 मेगावाट ही सप्लाई कर पाया है।वे कहते थे कि इस रविवार यानि 30 नवम्बर को हम सीजन का सबसे ज्यादा लोड कम से कम 1906 मेगावाट सप्लाई कर पाए। हम ज्ध्यादा से ज्यादा 2000 मेगावाट सप्लाई कर पाएंगे। नए पावर कट शेड्यूल के बारे में पूछने पर, विभाग का कहना था कि अभी किसी नए पावर कट शेड्यूल का कोई प्लान नहीं है। हमारा टारगेट बेहतर और बिना रुकावट पावर सप्लाई देना है। वे कहते थे कि हमें नार्थ और साउथ कश्मीर के लिए कुछ रिसीविंग स्टेशन मिलने की उम्मीद है, हमें उम्मीद है कि वे जल्द ही चालू हो जाएंगे ताकि कुछ दिक्कतें दूर हो जाएं और हम बेहतर पावर सप्लाई दे पाएं।बिजली कटौती के बारे में, अधिकारी ने बताया कि पावर कट मुख्य रूप से बिना इजाजत के इस्तेमाल की वजह से हो रहे हैं। बिजली की। ज्यादातर फलैट रेट वाले इलाकों में लोग बिजली का सही इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं और यही पावर ट्रिपिंग का एक मुख्य कारण है। अभी कश्मीर के 60 परसेंट इलाके फ्लैट रेट वाले हैं।गौरतलब है कि नवंबर के तीसरे हफ्ते में, यह बताया गया था कि कश्मीर में पीक पावर डिमांड 1900 मेगावाट के निशान को पार कर गई है, जबकि लोकल प्लांट से पावर जेनरेशन लगभग 75 परसेंट कम हो गया है।अधिकारियों ने बताया था कि कश्मीर डिवीजन में 1925 मेगावाट का पीक पावर लोड था। हालांकि, 24 घंटे के दौरान एवरेज 1566 मेगावाट का पावर लोड था। जिसके अब यूं यूं सर्दी बढ़ रही है, बढ़ने की आशंका है। इससे पहले, विभाग ने बताया था कि सेंटर से 800 मेगावाट और दिए गए हैं।

राजभवनों का नाम बदलने के मुद्दे पर राज में तीखी नोकझोंक, रिकॉर्ड से टिप्पणियां हटाने की उठी मांग

नयी दिल्ली देशभर के राजभवनों का नाम 'लोक भवन' करने संबंधी गृह मंत्रालय के 25 नवम्बर के निर्देश का मुद्दा राज्यसभा में बुधवार को शून्यकाल के दौरान तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सदस्य डोला सेन द्वारा उठाए जाने के बाद सदन में तीखी नोकझोंक हुई। शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए बांग्ला में डोला सेन ने कहा, ''सबसे पहले हम यह कहना चाहते हैं कि न तो संसद, विधानसभा और न ही मंत्रिमंडल को इसकी जानकारी है। और तो और महोदय, वे आपसे भी इस पर चर्चा नहीं कर रहे हैं।''अपनी बात रखने के दौरान डोला सेन ने मनरेगा सहित अन्य मुद्दों का भी जिक्र किया। तब सभापति ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि सदस्य अपने मूल विषय पर ही बोलें और विषय से अलग बातें रिकॉर्ड का हिस्सा नहीं बनेंगी। सदन के नेता जे पी नड्डा ने भी इस पर आपत्ति जताते हुए कहा, ''आपने उन्हें शून्यकाल में राजभवन का नाम लोक भवन करने के मुद्दे पर बोलने की अनुमति दी थी। लेकिन उन्होंने मनरेगा और अन्य मुद्दों का जिक्र किया। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि चूंकि यह विषय से संबंधित नहीं है, इसलिए इसे कार्यवाही से हटा दिया जाए और केवल लोक भवन से जुड़ी बातें ही रिकॉर्ड में ली जाएं।''सभापति सी पी राधाकृष्णन ने नड्डा से सहमति जताते हुए दोहराया कि ''विषय से हटकर कहा गया कुछ भी रिकॉर्ड में नहीं जाएगा''। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने डोला सेन के समर्थन में कहा, ''उन्होंने कोई भी अपमानजनक शब्द नहीं बोला है। सब कुछ विषय से जुड़ा हुआ है।

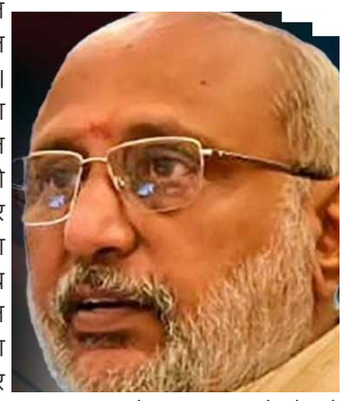

सत्य सवेरा

आजमगढ़–गाजीपुर

www.satysavera.in

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आजमगढ़, गुरूवार,04 दिसम्बर 2025

♦ एक नजर.....

बाइक सवार अधेड़ की तेज रफ्तार कार से टक्कर में मौत, परिवार में मचा कोहराम

सत्य सवेरा संवाददाता

मऊ जनपद के चिरैयाकोट थाना क्षेत्र स्थित अवस्थी चक गांव के निवासी 50 वर्षीय जोगिंद्र यादव पुत्र स्व. रामप्यारे यादव की मंगलवार देर रात सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार जोगिंद्र यादव जहानागंज से निमंत्रण कर अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वह लंगड़ा बाबा स्थान, जहानागंज के पास पहुंचे, तभी तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि जोगिंद्र यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल एंबुलेंस की मदद से उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार जोगिंद्र यादव पेशे से एलआईसी एजेंट थे और तीन पुत्रों के पिता थे। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में मातम पसर गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई जारी है।

अवैध कब्जे से परेशान पीड़िता ने आत्मदाह की दी चेतावनी

सत्य सवेरा संवाददाता

आजमगढ़ जिले के बूढ़नपुर तहसील क्षेत्र के नाऊपुर गांव निवासिनी सुमन पत्नी अरविंद ने उपजिलाधिकारी को एक शिकायती पत्र सौंपा है और सुनवाई न होने पर आत्मदाह की चेतावनी दी है। पीड़िता द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के मुताबिक उसके बगल में गाटा संख्या 180 रकबा 0.0260 हेक्टेयर स्थित है जो बलिहारी मौर्य समेत अन्य लोगों की है। इसी से सटी हुई उसकी आबादी की भूमि है जिस पर बलिहारी समेत अन्य लोगों द्वारा जबरन कब्जा किया जा रहा है। विरोध ा करने पर विपक्ष द्वारा मारपीट की जा रही है। ऐसे में पीड़िता पूरी तरह से परेशान है और वह चाहती है कि इसकी पैमाइश कराकर उसकी जमीन उसे दिया जाए और विपक्षियों की जमीन विपक्षियों को दिया जाए। पीड़िता ने मांग किया है कि यदि उसकी जल्द से जल्द सुनवाई नहीं हुई तो वह तहसील परिसर में ही आत्मदाह करेगी। इस संबंध में उसने एसडीएम को शिकायती पत्र दिया है और न्याय की गुहार लगाई है।

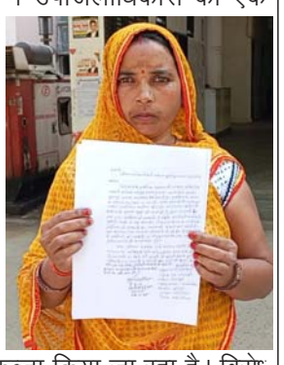

अधिवक्ता दिवस पर डॉ. राजेंद्र प्रसाद को याद करते हुए कार्यक्रम आयोजित

सत्य सवेरा संवाददाता

लालगंज (आजमगढ़)। स्थानीय तहसील के अधिवक्ताओं ने भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती को अधिवक्ता दिवस के रूप में उत्साहपूर्वक मनाया। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नगेंद्र सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को संघ भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया।अधिवक्ताओं ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके उपरांत आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने उनके जीवन, योगदान और आदर्शों पर विस्तार से चर्चा की तथा उनके सिद्धांतों को अपनाने पर बल दिया। गोष्ठी का संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता समर बहादुर सिंह ने किया।कार्यक्रम में धर्मेश पाठक, अमरनाथ यादव, प्रसिद्ध नारायण सिंह, ओमप्रकाश वर्मा, अशोक कुमार अस्थाना, हरी यादव, हरिनारायण सिंह, इंद्रभानु चौबे, विनय शंकर राय, राम स्वारथ, देवेंद्र नाथ पाण्डेय, देवधारी राय सहित कई अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

कप्तानगंज में गृहिणी ने फांसी लगाकर दी जान, तीन बच्चों की मां थी मृतका,गांव में छाया मातम

सत्य सवेरा संवाददाता आजमगढ़/जनपद के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के मोलनापुर गांव में बुधवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 30 वर्षीय गृहिणी अंजू पत्नी विकास ने घर में पंखे से दुपट्टे का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से पूरे परिवार और गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार अंजू मंगलवार की रात रोज की तरह भोजन करने के बाद अपनी पुत्री अनुष्का के साथ सो गई थी। सुबह करीब 5 बजे जब बेटी की नींद खुली तो उसने अपनी मां को पंखे से लटका देखा। नजारा देखकर वह चीखने लगी, जिसके बाद घरवालों और पड़ोसियों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही कप्तानगंज पुलिस मौके पर पहुंची और मृतका के शव को नीचे उतरवाकर आवश्यक कार्यवाही करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अंजू दो पुत्रों और एक पुत्री की मां थी। अचानक हुई इस घटना से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

टीकाकरण उत्सव का हुआ शुभारंभ

सत्य सवेरा संवाददाता

माहुल(आजमगढ़)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अहरौला पर बुधवार को टीकाकरण उत्सव का प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ मोहनलाल, प्रधान प्रतिनिधि नीरज चौरसिया के द्वारा फीता काटकर इस उत्सव का शुभारंभ किया गया। शासन की मंशा के अनुरूप समय से शिक्षा समय से स्वास्थ्य के कार्यक्रम के अंतर्गत जीरो से 5 साल तक के बच्चों के लिए विशेष टीकाकरण उत्सव का शुभारंभ किया गया जिसके नोडल डॉक्टर आलेंद्र कुमार की देखरेख में हर ए एन एम सेंटर पर इस टिकाकरण का शुभारंभ किया गया इसमें दर्जनों महिलाएं अपने बच्चों को लेकर उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा के प्रति इस टीकाकरण उत्सव में शामिल हुई और ए एन एम सुशील यादव के द्वारा बच्चों को टीकाकरण करके कैंप की शुरुआत की गई। इस मौके पर सुमन चौधरी सुशीला राजभर ममता पटेल सरिता यादव किरन यादव बृजबाला सिंह सीना उपाध्याय आदि लोग उपस्थित रहे।।

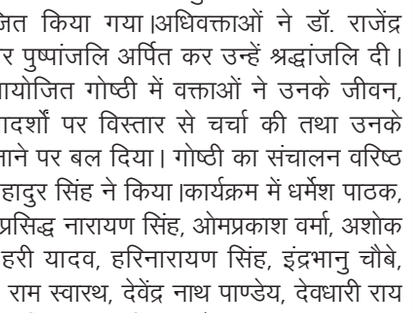

सत्याग्रह तीसरे दिन भी जारी, पंचायत सचिवों ने ऑनलाइन उपस्थिति व्यवस्था को बताया अव्यावहारिक

सत्य सवेरा
संवाददाता लालगंज

(आजमगढ़)। उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत अधिकारी एवं ग्राम विकास अधिकारी समन्वय समिति जनपद आजमगढ़ द्वारा पंचायत सचिवों की ऑनलाइन उपस्थिति व्यवस्था के विरोध में घोषित चरणबद्ध सांकेतिक सत्याग्रह तीसरे दिन भी जारी रहा।

ब्लॉक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष गणतंत्र श्रीवास्तव ने इस व्यवस्था को अव्यावहारिक बताते हुए कहा कि आदेश से शासकीय कार्य प्रभावित हो रहे हैं और जब तक प्रभावी वार्ता नहीं होती, आंदोलन चरणबद्ध रूप में चलता रहेगा।इस अवसर पर अवधेश सिंह ग्राम पंचायत अधिकारी ने कहा कि ग्राम विकास अधिकारी और ग्राम पंचायत अधिकारियों के ऊपर अन्य विभागों का अतिरिक्त कार्य लगातार डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि एसआईआर का काम करना है, जन्म प्रमाण पत्र देना है, डोंगल लगाना है, परिवार रजिस्टर की नकल देना है, गांव में चौपाल लगाना है, ऑनलाइन हाजिरी भी देनी है। आखिर इतना सारा काम कर्मचारी ही करेगा?वक्ताओं ने कहा कि संगठन के निर्देशानुसार 04 दिसंबर 2025 तक पंचायत सचिव काली पट्टी बांधकर अपने सभी शासकीय कार्यों का निर्वहन करते हुए विरोध जारी रखेंगे।समिति ने बताया कि 05 दिसंबर 2025 को जनपद के सभी विकासखंड मुख्यालयों पर सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक शांतिपूर्ण धरना दिया जाएगा। इसके बाद सचिव दोपहर 1 बजे के बाद अपने विभागीय दायित्वों हेतु मोबाइल के माध्यम से उपस्थिति भेजेंगे।कार्यक्रम के तीसरे चरण के तहत 10 दिसंबर 2025 को पंचायत सचिव इंजन चालित वाहन का उपयोग नहीं करेंगे, बल्कि साइकिल, टेम्पो या बस से क्षेत्रीय भ्रमण करेंगे। समिति का कहना है कि 200 रुपए साइकिल भत्ता मिलने के बावजूद सचिवों से मोटर साइकिल उपयोग की अपेक्षा तर्कसंगत नहीं है। इस दिन मोटरसाइकिल भत्ता बहाल करने की मांग शासन से की जाएगी।इसी क्रम में 15 दिसंबर 2025 को जटिल ई–ग्राम स्वराज एवं गेटवे प्रणाली के विरोध में सचिव मोबाइल ऐप आधारित भुगतान व्यवस्था लागू किए जाने की मांग करेंगे।

अतरौलिया :विद्यालय में साइबर सुरक्षा हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

सत्य सवेरा संवाददाता /अतरौलिया। थाना अतरौलिया, द्वारा साइबर जागरूकता अभियान के तहत बुधवार 3 दिसंबर 2025 को ग्राम गोईजी स्थित रामअवतार इंटर कॉलेज में एक विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, कॉलेज कर्मियों एवं स्थानीय लोगों को बढ़ते साइबर अपराधों से बचाव तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति सचेत करना था।सत्र के दौरान थाना अतरौलिया की साइबर टीम ने ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, मजबूत पासवर्ड एवं टू–फैक्टर ऑथेंटिकेशन की उपयोगिता, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, फिशिंग–स्मिशिंग जैसे साइबर हमलों की पहचान तथा डेटा गोपनीयता व डिजिटल फुटप्रिंट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उपस्थित लोगों को साइबर अपराधों के वास्तविक उदाहरण भी बताए गए तथा इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के व्यावहारिक उपाय समझाए गए।कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं द्वारा साइबर जागरूकता पर एक नाटक भी प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित जनसमूह को डिजिटल सुरक्षा के महत्व से अवगत कराया। अंत में प्रश्न–उत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने साइबर सुरक्षा से जुड़े अपने सवाल पूछे और विशेषज्ञों से समाधान प्राप्त किया।रामअवतार इंटर कॉलेज के प्रबंधन ने कहा कि वर्तमान समय में साइबर सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है और ऐसे कार्यक्रम लोगों को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के लिए सक्षम बनाते हैं। संस्था ने भविष्य में भी नियमित रूप से इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।कार्यक्रम में थाना अतरौलिया के थानाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ दूबे तथा उपनिरीक्षक अभिषेक यादव (साइबर प्रभारी) सहित पुलिस टीम मौजूद रही।

साइबर सेल आजमगढ़ – साइबर जागरूकता अभियान

सत्य सवेरा ब्यूरो चीफ मिर्जा तारिक बेग

आजमगढ़। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के निर्देश तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ के कुशल मार्गदर्शन में, अपर पुलिस अधीक्षक यातायातध्नोडल अधिकारी साइबर क्राइम के नेतृत्व में प्रत्येक माह के प्रथम बुधवार को संचालित किए जाने वाले साइबर जागरूकता अभियान के क्रम में आज स्मार्ट बाजार, रैदोपुर (आजमगढ़) में साइबर सेल द्वारा एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस अभियान में प्रभारी साइबर सेल उपनिरीक्षक सागर कुमार रंगू, मुख्य आरक्षी ओमप्रकाश जायसवाल, आरक्षी राहुल सिंह तथा यातायात पुलिस कर्मियों द्वारा संयुक्त रूप से जनजागरूकता कार्यक्रम संचालित किया गया।र्यक्रम के दौरान जनसाधारण को निम्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जागरूक किया गया ।साइबर अपराध होने की स्थिति में तत्काल 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज करने के महत्व के बारे में बताया गया।साइबर फ्रॉड रोकथाम में 'गोल्डन आवर' की भूमिका और उसके प्रभाव की जानकारी दी गई।OTP फ्रॉड, बैंकिंग धोखाधड़ी, ऑनलाइन खरीद–फरोख्त से संबंधित ठगी, झल्ू अपडेट फ्रॉड आदि से बचाव के उपाय विस्तारपूर्वक बताए गए।सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने, मजबूत पासवर्ड, टू–फैक्टर ऑथेंटिकेशन, सोशल मीडिया गोपनीयता सेटिंग्स तथा व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा रखने के तरीकों पर विस्तार से समझाया गया।

श्री बृज गोपाल इंस्टिट्यूट में विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस पर भव्य कार्यक्रम का हुआ आयोजन

♦ डिजिटल इंडिया की न्यू मजबूत करने हेतु छात्रों ने लिया साक्षरता का संकल्प

सत्य सवेरा ब्यूरो
चीफ आजमगढ़

गंभीरपुर /आजमगढ़। बृजगोपाल इंस्टीट्यूट में विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस पर मंगलवार को भव्य कार्यक्रम डिजिटल इंडिया की नींव मजबूत करने हेतु छात्रों ने लिया साक्षरता का संकल्प लिया गया। जानकारी के मुताबिक ब्लॉक मोहम्मदपुर के गंभीरपुर स्थिति श्री बृजगोपाल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में आज 2 दिसंबर को श्विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवसश के अवसर पर एक भव्य एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों और स्थानीय समुदाय के बीच कंप्यूटर शिक्षा के महत्व पर जागरूकता बढ़ाना और श्डिजिटल डिवाइडश को समाप्त करने की दिशा में कदम बढ़ाना था। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान के निदेशकध्चेयरमैन बृजेश कुमार राय के संबोधन से हुई, जिन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, ष्आज कंप्यूटर साक्षरता केवल एक कौशल नहीं, बल्कि हमारे जीवन के हर पहलू में सफलता की कुंजी है। SBGIMT का लक्ष्य हर युवा को इस डिजिटल युग के लिए तैयार करना है।संस्थान के छात्रों ने कंप्यूटर साक्षरता के महत्व पर आधारित प्रभावशाली भाषण, लघु नाटक और पावरपॉइंट प्रस्तुतियाँ दीं। इन प्रस्तुतियों में दिखाया गया कि कैसे तकनीक ग्रामीण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगार के अवसरों को बदल सकती है।साक्षरता संकल्परू सभी उपस्थित छात्रों और संकाय सदस्यों ने मिलकर श्डिजिटल साक्षरता संकल्पश लिया। इस संकल्प के तहत उन्होंने शपथ ली कि वे न केवल स्वयं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाएंगे, बल्कि अपने परिवार और समाज के कम–साक्षर लोगों को भी डिजिटल दुनिया से जोड़ेंगे।इस अवसर पर, संस्थान के ऐडमिशन सेल हेड कार्तिकेय राय ने कहा, ष्यह दिन हमें हमारी जिम्मेदारी याद दिलाता है। ैठळप्डज में हम केवल कोर्स नहीं पढ़ाते, बल्कि हम भविष्य के डिजिटल लीडर्स का निर्माण कर रहे हैं। हम अपने छात्रों को श्डिजिटल इंडियाश के सपने को साकार करने वाले दूत के रूप में देखते हैं। कार्यक्रम के अंत में, संस्थान ने घोषणा की कि वे अगले एक महीने तक स्थानीय समुदाय के लिए निःशुल्क श्बुनियादी कंप्यूटर कौशलश प्रशिक्षण कार्यशालाएँ (ठेंपब ब्वउ. चनजमतै पससें वतीवचे) आयोजित करेंगे ताकि अधिक से अधिक लोग डिजिटल साक्षरता की मुख्यधारा से जुड़ सकें। इस मौके पर एडमिशन सेल हेड कार्तिकेय राय, एचओड़ि आशीष कुमार राय, अध्यापक अनिल प्रजापति, शिवम राय, शुभम राय, अमित राय व छात्र सृष्टि यादव, जय, आदित्य मौर्य,अक्षय कुमार, वंदना, शिवांगी,अर्सलान, पायल विश्वकर्मा,सचिन प्रजापति, चांदनी यादव, आरती,प्रिया उपाध्याय, नागेश्वर मौर्य,विकास यादव, लक्ष्मी अंजू समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

UBI बैंक के बाहर चली गोली एक युवक की मौत एक घायल,गार्ड हिरासत में

सत्य सवेरा संवाददाता फूलपुर/आजमगढ़। जनपद के फूलपुर थाना क्षेत्र के नगर पंचायत फूलपुर स्थित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की मुख्य शाखा के ठीक सामने उस समय अफरा–तफरी मच गई जब कैश डिलीवरी वैन के गनमैन की लोडेड डबल बैरल बंदूक सड़क पार करते वक्त बाइक से टकराकर जमीन पर गिर गई और अचानक गोली चल गई। गोली की चपेट में आने से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से एक की जिला अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, वैसाडीह गांव निवासी लवकुश चौहान (35) पुत्र जयनाथ चौहान अपनी बहन रूपा, भतीजी प्रति चौहान और गांव के ही मनोज उर्फ संजय चौहान (24) पुत्र राम सजन चौहान के साथ बैंक में कुछ काम से आए थे। इसी दौरान एसआईएस सुरक्षा कंपनी का कैश वैन यूनियन बैंक के सामने रुका। वैन का गनमैन लोडेड डबल बैरल बंदूक हाथ में लेकर सड़क पार कर रहा था कि अचानक एक बाइक सवार से टक्कर हो गई। संतुलन बिगड़ने से बंदूक जमीन पर गिरते ही उसमें से गोली निकल गई। गोली लवकुश चौहान और संजय चौहान को लगी। दोनों गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। घायलों को तुरंत आसपास के लोगों ने उठाकर नजदीकी ताहिर मेमोरियल अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल पहुंचते–पहुंचते संजय चौहान (24) ने दम तोड़ दिया। दूसरा घायल लवकुश चौहान खतरे से बाहर बताया जा रहा है। सूचना मिलते ही मृतक संजय के चचेरे भाई संदीप चौहान के बरखा कार्यक्रम में बैठे लवकुश के पिता जयनाथ चौहान सहित ग्रामीण फूलपुर पहुंच गए। हालांकि देर रात तक परिजनों ने थाने में कोई तहरीर नहीं दी थी। मौके से कैश वैन और गनमैन दोनों गायब बताए जा रहे हैं। सूचना पर फूलपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि कैश वैन एसआईएस कंपनी का था और गोली उसी कंपनी के गनमैन की बंदूक से चली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ डॉ0 अनिल कुमार के निर्देशन में सीओ सगड़ी द्वारा की गई जनसुनवाई

सत्य सवेरा ब्यूरो चीफ मिर्जा तारिक बेग आजमगढ़ /वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ डॉ0 अनिल कुमार के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी सगड़ी अनिल वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय आजमगढ़ में आयोजित जनसुनवाई के दौरान आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया।सीओ सगड़ी द्वारा उपस्थित शिकायतकर्ताओं की समस्याओं के निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए गए।

साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सत्य सवेरा ब्यूरो चीफ मिर्जा तारिक बेग/आजमगढ़। थाना अतरौलिया, जनपद आजमगढ़ द्वारा साइबर जागरूकता अभियान के तहत आज ग्राम गोईजी स्थित रामअवतार इंटर कॉलेज में साइबर सुरक्षा पर विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं आमजन को साइबर अपराधों से बचाव तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक करना था।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से बताई गई बातें –

1. ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के उपाय
2. पासवर्ड सुरक्षा एवं टू–फैक्टर ऑथेंटिकेशन
3. सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग
4. फिशिंग, स्मिशिंग व अन्य साइबर हमलों की पहचान5.

डेटा गोपनीयता एवं डिजिटल फुटप्रिंट का महत्वकार्यक्रम के दौरान साइबर टीम ने वास्तविक मामलों के उदाहरण प्रस्तुत किए और सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के व्यावहारिक उपाय समझाए। छात्र–छात्राओं द्वारा साइबर जागरूकता पर नाटक भी प्रस्तुत किया गया।सत्र के अंत में प्रश्नदृ उत्तर चर्चा के माध्यम से प्रतिभागियों की जिज्ञासाएँ दूर की गईं।विद्यालय प्रबंधन द्वारा बताया गया कि साइबर सुरक्षा आज के समय की आवश्यकता है और इस प्रकार के कार्यक्रम डिजिटल रूप से सुरक्षित समाज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आलोक सिंह की गिरफ्तारी के बाद बड़ा खुलासा.!!

सत्य सवेरा संवाददाता /लखनऊ। एसटीएफ के बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह ने नशीले कफ सिरप सिंडीकेट का हिस्सा बनने के बाद करोड़ों रुपये की संपत्तियां अर्जित की हैं। पुलिस सेवा से बर्खास्त होने के बाद वह पूर्व सांसद व बाहुबली धनंजय सिंह का गनर बना। इसके बाद पूर्वांचल के अंडरवर्ल्ड में उसकी पैठ गहरी होती गई। पुलिस में अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर वह शराब, खनन और नशीले कफ सिरप के कारोबार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाता गया। उसकी गिरफ्तारी के बाद उसे संरक्षण देने वालों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।आलोक के बढ़ते रसूख का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उसने लखनऊ स्थित सुल्तानपुर रोड पर धनंजय सिंह के घर के सामने महलनुमा घर बनवाया है, जिसकी कीमत करीब 20 करोड़ रुपये है। वह कई लग्जरी एसयूवी के साथ धनंजय सिंह के साथ चलता है। जौनपुर में वोटर लिस्ट में धनंजय सिंह और आलोक सिंह के घर पर पता एक ही दर्शाया गया है।सूत्रों की मानें तो आलोक सिंह पूर्व सांसद का दाहिना हाथ माना जाता है। अब गिरफ्तारी के बाद वह ईडी समेत कई एजेंसियों के निशाने पर आ गया है। एसटीएफ उसकी फर्मों के जरिये हुए नशीले कफ सिरप के कारोबार की कड़ियों को जोड़ रही है। उसकी फर्मों से एक करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार हुआ है। इसके अलावा तमाम फर्जी फर्मों के जरिये भी करोड़ों रुपये के नशीले कफ सिरप की तस्करी की गई है।आलोक पहले भी कई मामलों में विवादों के घेरे में रह चुका है। उसे करीब 20 साल पहले सोना लूट कांड में बर्खास्त किया गया था, हालांकि बाद में वह केस से बरी हो गया। बर्खास्तगी के बाद भी पुलिस में उसका रसूख कम नहीं हुआ। सूत्रों की मानें तो वह पूर्वांचल के अंडरवर्ल्ड को कंट्रोल करने के लिए पुलिस को कई अहम सूचनाएं देता रहता था। इसकी वजह से पुलिस भी उस पर कार्रवाई नहीं करती थी। कई माफिया और अपराधियों को पुलिस की कार्रवाई से बचाने की वजह से भी अंडरवर्ल्ड में उसका प्रभाव बढ़ता जा रहा था।शुभम जायसवाल, अमित सिंह टाटा और आलोक सिंह को दुबई की सैर कराने वाले जौनपुर के विकास सिंह विक्की ही पूर्व ब्यूरोक्रेट सिंडीकेट की काली कमाई को रियल एस्टेट में निवेश कर रहा था। सूत्रों की मानें तो एक पूर्व ब्यूरोक्रेट ने विकास के जरिये लखनऊ स्थित सुल्तानपुर रोड पर कई बेशकीमती संपत्तियां खरीदी हैं। ईडी ने इसकी जांच शुरू कर दी है।

सत्यम गोड़
प्रधान सम्पादक

मिर्जा तारिक बेग
संम्पादक/ब्यूरो चीफ
Email -tariqbeg
786@gmail-com
9838720165

संजय गोड़
प्रबंध सम्पादक

विज्ञापन के लिए
सम्पादक करें।

मंत्री के स्कॉर्ट के वाहन से टकराकर बाइक सवार घायल

सत्य सवेरा संवाददाता

जौनपुर।जलालपुर क्षेत्र के हौज टोलप्लाजा के पास बुधवार को मंत्री की स्कॉर्ट के एक वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार एक किशोर घायल हो गया।पुलिस उसे उपचार के लिए ट्रामा सेंटर हौज ले गयी।जहा उसे उपचार के बाद छोड़ दिया गया।ऊक्त क्षेत्र के सादीपुर मठिया गांव निवासी अवनीश यादव अपने एक मित्र लड़के के साथ टोलप्लाजा के वीआइपी लेन के पास बाइक से जा रहा था।उसी समय वाराणसी से प्रदेश सरकार के मंत्री रविन्द्र जायसवाल लखनऊ जा रहे थे।टोलप्लाजा के पास उनके स्कॉर्ट के एक वाहन के चपेट में बाइक आ गयी।जिससे दोनो किशोर वही पर बॉइक सहित गिर गए।उसमें से अवनीश यादव को चोट आयी।स्कॉर्ट के वाहन को वहां मौजूद लोगों ने रोक दिया।हालांकि जलालपुर पुलिस उसे ट्रामा सेंटर ले गयी।जहा से उसका दवा उपचार करने के बाद छोड़ दिया गया।बताया जाता है कि कुछ लोग बच्चे के पास लाइसेंस नही होने के कारण मामले को ज्यादा बढाना उचित नही समझे।जबकि उस समय स्कॉर्ट में चल रही ऊक्त वाहन को रोक दिया गया था।जलालपुर के प्रभारी थानाध्यक्ष राजकुमार तिवारी ने बताया कि लड़के को मामूली चोट लगी थी।उपचार के बाद वह घर चला गया।किसी प्रकार की कोई समस्या नही हुई।

बरसठी विवाहिता की संदिग्ध मौत-पुलिस ने 6 ससुरालीजनों पर किया मुकदमा दर्ज

सत्य सवेरा संवाददाता

जौनपुर। बरसठी थाना क्षेत्र के जुब्बापुर बारीगांव में मंगलवार दोपहर एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले ने हड़कंप मचा दिया। मृतका के भाई की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत 6 लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है।मिली जानकारी के अनुसार 28 वर्षीय प्रीति मिश्रा ने मंगलवार दोपहर अपने ससुराल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। वहीं मृतका के भाई नंदन कुमार मिश्रा, निवासी मानिकपट्टी (भदोही), का आरोप है कि प्रीति की शादी 7 मई 2021 को राहुल मिश्रा से हुई थी। शादी के बाद से ही ससुरालीजन रू0 50,000 नगद और एक अपाचे मोटरसाइकिल की मांग कर रहे थे।परिजनों का आरोप है कि मांग पूरी न होने पर प्रीति को लगातार प्रताड़ित किया जाता था। आरोप है कि ससुर शीतला प्रसाद मिश्र, देवर अतुल मिश्रा तथा अन्य आरोपी प्रीति के पति को मारपीट के लिए उकसाते थे। भाई ने तहरीर में आरोप लगाया कि मंगलवार दोपहर सभी ने मिलकर प्रीति की गला दबाकर हत्या कर दी और बाद में उसे फांसी के सहारे लटका दिया ताकि इसे आत्महत्या का रूप दिया जा सके।तहरीर के आधार पर पुलिस ने निम्न आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक देवानंद रजक ने बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जौनपुर ब्रेकिंग

जिला अस्पताल की बड़ी लापरवाही, टॉर्च की रोशनी में मरीजों को लगाए जा रहे टांके, वीडियो वायरल

सत्य सवेरा संवाददाता जौनपुर।जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड से मेडिकल लापरवाही का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें डॉक्टर और स्टाफ मोबाइल टॉर्च की रोशनी में मरीजों को टांके लगाते दिखाई दे रहे हैं।

इस वीडियो के सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।जानकारी के अनुसार, इमरजेंसी वार्ड में अचानक लाइट न रहने के बावजूद वैकल्पिक व्यवस्था न करते हुए डॉक्टरों ने मोबाइल की टॉर्च के सहारे ही घायलों का उपचार शुरू कर दिया। वीडियो में दिख रहा है कि अंधेरे में मरीजों को टांका लगाया जा रहा है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ गई है।स्थानीय लोगों ने इसे गंभीर लापरवाही बताते हुए कहा कि जिला अस्पताल जैसे महत्वपूर्ण स्थान पर ऐसी स्थिति बेहद शर्मनाक है। वहीं लोगों ने प्रशासन से इस मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।अस्पताल प्रशासन का पक्ष अभी सामने नहीं आया है। मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

जौनपुर ब्रेकिंग

जब नशे की लत लग जाए तो गुरूजी, गुरुता भूल जाए चाहे शिक्षा का मंदिर हो या सार्वजनिक मंच, दारू की तलाश कहीं नहीं रुकती

सत्य सवेरा संवाददाता जौनपुर।पूर्वांचल विश्वविद्यालय में भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कुछ महीने पहले ही विश्वविद्यालय के शिक्षकों की कार्यशैली पर सवाल उठाए थे, और अब उनका कहा सच साबित होता दिख रहा है। विश्वविद्यालय के एक विभाग में अतिथि प्रवक्ता प्रांकुर शुक्ला का शराब पीते हुए वीडियो वायरल होने के बाद यह कहावत फिर जीवंत हो उठी।"

जैसा संग वैसा रंग, और गुरु लगें तो गुरुता भंग।"हालांकि सम्बंधित प्रवक्ता ने इसे मॉर्फ वीडियो बताया, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसे गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए कुलपति के आदेश पर उनकी सेवा समाप्त कर दी है।

जहरीली कफ सिरप सिंडिकेट दुबई से लाया जाएगा सरगना शुभम जायसवाल

सत्य सवेरा संवाददाता /वाराणसी। जहरीली कफ सिरप सिंडिकेट पर बड़ी कार्रवाई, दुबई से लाया जाएगा सरगना शुभम जायसवालजहरीली कफ सिरप सिंडिकेट मामले में वाराणसी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

वाराणसी पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने बताया कि सिंडिकेट के मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल को दुबई से भारत लाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। कमिश्नरेट पुलिस जल्द ही शुभम के नाम रेड कॉर्नर नोटिस जारी करेगी।

जौनपुर की जर्जर सड़कों पर मौत के गड्ढे प्रशासन खामोश, जनता का सब्र टूटने के कगार पर

सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढे में सड़क, समझ से परे

सत्य सवेरा संवाददाता

जौनपुर। जिले की सड़कें इन दिनों बदहाली की एक ऐसी तस्वीर पेश कर रही हैं जिसे देखकर किसी भी यात्री का दिल दहल जाय। जौनपुरकृशाहगंज मार्ग पर कीर्तिकुंज मारुति एजेंसी के सामने की है। उसके सामने काफी दूर तक इतने गड्ढे रोड पर हैं कि आए दिन राहगीर उसमें गिरकर घायल हो रहे हैं। शहर की हाल तो बेहाल है। पूरे शहर में सीवर लाइन खुदाई के लिए खोदे गये गड्ढे पाट तो दिये गये हैं लेकिन अभी तक बार–बार धस रहा है। इसमें आवागमन में काफी परेशानी हो रही है जिससे पूरा शहर परेशान है। शहर हो या कस्बा, मुख्य मार्ग हों या गांवों की संपर्क सड़केंकृहर जगह गड्ढों की भरमार है। कई स्थानों पर स्थिति इतनी गंभीर है कि सड़क कहीं–कहीं गायब हो गई है और केवल गड्ढे ही गड्ढे दिखाई देते हैं। स्थानीय लोग तंज कसते नजर आते हैं।लगातार दुर्घटनाओं का कारण बने इन गड्ढों ने आमजन का जीवन असुरक्षित बना दिया है। दोपहिया वाहन चालक रोजाना गिरते–पड़ते अपनी मंजिल तक पहुंचने को मजबूर हैं। स्थानीय निवासी बताते हैं कि बीते कुछ दिनों में कई लोग इन गड्ढों की वजह से घायल हो चुके हैं। "सड़क पर चलते समय हर कदम डर लगता है, बारिश हो जाय तो पानी में गड्ढे छिप जाते हैं और जोखिम दोगुना हो जाता है।सड़कों की यह बदहाली नई नहीं है। महीनों एवं वर्षों से स्थिति बिगड़ती जा रही है लेकिन मरम्मत का काम शुरू होने के बजाय फाइलों में ही दबा पड़ा है। क्षेत्रीय नागरिकों का आरोप है कि सरकार और विभागीय अधिकारी जौनपुर की जर्जर होती सड़कों से पूरी तरह बेखबर बने हुये हैं। जिला प्रशासन की निष्क्रियता से लोगों में गहरा आक्रोश है। कई नागरिकों का कहना है कि पूरे तंत्र की उदासीनता ने जनता को मानो अपने हाल पर छोड़ दिया है।ग्रामीण क्षेत्रों में हालात और भी विकट हैं। स्कूल जाने वाले बच्चों से लेकर रोज कमाने–खाने वाले मजदूर तक सभी इन खतरनाक गड्ढों से जूझ रहे हैं। एम्बुलेंस, किसानों की ट्रैक्टर–ट्रॉलियाँ, मरीज ले जाने वाले लोग हर कोई इस समस्या से परेशान है।देखा जा सकता है कि नगर के कई स्थानों पर सड़कें इतनी उखड़ चुकी हैं कि यातायात तक बाधित हो जाता है। नाराज लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सड़क सुधार कार्य शुरू नहीं हुआ तो वे आन्दोलन का रास्ता अपनाने को बाध्य होंगे। जनता का कहना है कि अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस कार्यवाही की जरूरत है। गड्ढों से भरी सड़कों का यह मुद्दा जिले के लिये शर्मनाक स्थिति बन चुका है।

भगवान की कृपा से हुआ राजा परीक्षित का जन्म, कथा में उमड़ा भक्तिरस

सत्य सवेरा, संवाददाता/संग्रामपुर। ग्रामसभा ठेंगहा में चल रही श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह के तीसरे दिन बुधवार को कथावाचक शिव शंकर त्रिपाठी जी महाराज ने राजा परीक्षित के दिव्य जन्म और उनके महात्म्य का प्रेरक वर्णन किया। कथा श्रवण हेतु सुबह से ही पंडाल में भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। शंखध्वनि, घंटानाद और भजनों की गूंज से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा।कथावाचक त्रिपाठी जी ने बताया कि महाभारत युद्ध के बाद अश्वत्थामा ने पांडव वंश को समाप्त करने हेतु उत्तरा के गर्भ में पल रहे बालक पर ब्रह्मास्त्र का प्रयोग किया। तभी भगवान श्रीकृष्ण स्वयं गर्भ में प्रकट हुए और दिव्य चक्र से ब्रह्मास्त्र को रोककर पांडव वंश के अंतिम दीपक परीक्षित का जीवन बचाया। यही कारण रहा कि परीक्षित जन्म से ही दिव्य तेज और अद्भुत गुणों के धनी बने।त्रिपाठी जी महाराज ने आगे बताया कि परीक्षित न्यायप्रिय, धर्मनिष्ठ और प्रजा–वत्सल राजा बने। उन्होंने अपने विवेक और धर्मपालन से कलियुग के प्रभाव को सीमित किया और समाज में धर्म की स्थापना की मिसाल पेश की। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि धर्म का पालन करने वाले का संरक्षण स्वयं भगवान करते हैं।कथा स्थल पर श्रद्धालु पूरी तल्लीनता से कथा का श्रवण करते रहे। भक्ति संगीत और कीर्तन पर महिलाओं ने भाव–विभोर होकर भजन का आनंद लिया।श्रद्धालुओं में हरि बक्स सिंह, रणजीत सिंह, कपिल बरनवाल, सत्य प्रकाश ओझा, सूरज सिंह, जगदीश नारायण अग्रहरि, हुकुम चन्द्र, यज्ञ नारायण तिवारी, रघुनाथ पाण्डेय, लक्ष्मी कांत, पुष्पराज सिंह, गायत्री प्रसाद, राम लखन, बजरंग प्रसाद, चित्रकूट मणि, राधेश्याम तिवारी, महादेव बरनवाल सहित भारी संख्या में महिलाएँ कथा का श्रवण करने पहुंचीं।

कफ सिरप मामले में वाराणसी पहुंचीं ईडी की टीम, किंगपिंग शुभम जयसवाल के घर नोटिस चस्पा

सत्य सवेरा संवाददाता वाराणसी।कफ सिरप मामले में बड़ी खबर सामने आज है, जहाँ प्रतिबंधित सिरप मामले में ईडी की इंट्री हो चुकी है , ईडी की टीम वाराणसी पहुंचीं, जहाँ शुभम जायसवाल के ठिकानों पर नोटिस चस्पा कर रही है,ईडी की टीम सबसे पहले शुभम के प्रहलाद घाट स्थित आवास पहुंचीं जहाँ किसी के न मिलने पर घर के बाहर नोटिस चस्पा किया गया, तो वहीं थाना सिगरा अंतर्गत बादशाह बाग कॉलोनी में स्थित शुभम के दूसरे घर पहुंचीं, यहां ईडी का सामना शुभम के माँ से हुआ, जिससे पूछताछ के बाद ईडी की टीम ने शुभम के माँ को नोटिस थमाया, ईडी इस मामले में प्रतिबंधित कफ सिरप द्वारा अकूत धन की जांच करेगी, नशीले कफ सिरप की तस्करी से यह जुड़ा मामल है, ईडी ने मामले में मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया है,पैन कार्ड, आधार कार्ड, बैंक खातों की डिटेल, कंपनियों की डिटेल मांगी गई है, रवि पांडे

वाराणसी- बीएचयू में बवाल के मामले में दो नामजद सहित 100 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज,

सत्य सवेरा संवाददाता वाराणसी। आईआईटी बीएचयू परिसर में देर रात छात्र और सुरक्षाकर्मियों के बीच हुई मारपीट और पथराव के मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। सहायक सुरक्षा अधिकारी हसन अब्बास जैदी की तहरीर पर अंकित सिंह, अंकित पाल सहित 100 अज्ञात के खिलाफ लंका थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।सहायक सुरक्षा अधिकारी का आरोप है कि दोनों नामजद आरोपी विश्वविद्यालय के छात्र नहीं है। देर रात सुंदर बगिया गेट के पास से झगड़ा करते हुए अंकित और अंकित पाल को सुपरवाइजर विनोद शर्मा कार्यालय लेकर गए थे। इतनी देर में 30 से 40 की संख्या में मुंह बांधकर पहुंचे हमलावरों ने सुरक्षा कर्मियों पर हमला कर दिया। सुरक्षा कर्मी प्रमोद सिंह को गंभीर रूप से चोटें आई हैं। हमलावर कार्यालय में घुसकर मारपीट तोड़फोड़ करने लगे। उसके बाद एलडी गेस्ट हाउस से लेकर हॉस्टल रोड तक पथराव किया। देर रात में पथराव के दौरान भगदड़ की स्थिति मच गई थी। बवाल के दौरान एलडी गेस्ट हाउस के बाहर चौराहे पर लगे 10 से ज्यादा गमले, वाहन और कुर्सियां तोड़ दी गईं। 100 से ज्यादा घायल हो गए। तमिल संगमम के वणक्कम काशी के दो बड़े पोस्टर फाड़ दिए गए। बवाल के बाद करीब आधा किलोमीटर तक ईंट–पत्थर बिखरे मिले। मारपीट के बीच में आए ब्रोचा हॉस्टल विज्ञान के एक छात्र का सिर फट गया। उसने बताया कि वह गलती से पत्थरबाजी के बीच में आ गया। गार्डों ने भी उस पर लाठियां बरसा दीं। बवाल के बीच 50 छात्र, 40 सुरक्षाकर्मी और 10 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हो गए। कुछ छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें ट्रॉमा सेंटर में भर्ती किया गया।

सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में विकास की रफ्तार

सत्य सवेरा संवाददाता

जौनपुर । भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के सहकार से समृद्धि संकल्प को मजबूत करने के उद्देश्य से इंदिरा गांधी सहकारी प्रबंध संस्थान, लखनऊ के तत्वावधान में विकास भवन जौनपुर के सभागार में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें नवगठित बहु उद्देशीय प्राथमिक सहकारी समितियों (ड्ब्।ै) के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सत्र का संचालन सत्र संयोजक अभिषेक तिवारी द्वारा किया गया, जिन्होंने सहकारिता की भावना, ग्रामीण संसाधनों के उपयोग, आधुनिक व्यवसाय मॉडल, डीपीआर एवं बीपीडी के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि यदि समितियाँ पारदर्शी प्रबंधन के साथ नवाचार अपनाएँ तो MPACS ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने वाली सबसे बड़ी शक्ति बन सकती हैं।कार्यक्रम में विभागीय मार्गदर्शन हेतु सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता विभाग, जौनपुर बृजेश कुमार पाठक ने सहकारिता की प्रशासनिक प्रणाली, उत्तरदायित्व, सदस्य सहभागिता एवं लेखा संधारण की महत्ता समझाई। साथ ही जिला सहकारी बैंक लि. जौनपुर के सचिव एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी आशुतोष त्रिपाठी ने समितियों को बैंकिंग सहयोग, ऋण सुविधा, पूंजी निवेश तथा योजना ओं के लाभ हेतु आवश्यक दस्तावेजीकरण पर मार्गदर्शन दिया।

उन्होंने कहा कि सही तरीके से तैयार डीपीआर एवं बीपीडी के माध्यम से समितियाँ बैंक ऋण एवं सरकारी अनुदान योजनाओं का लाभ सरलता से प्राप्त कर सकती हैं। कार्यक्रम में एडीसीओ रजनीश पांडेय, अंकित काबरा, आशीष कुमार सिंह, एडीओ (सी) भूपेंद्र नाथ सिंह, विपिन कुमार यादव, अजय कुमार सिंह एवं लेखाकार सुशील मौर्य सहित अन्य उपस्थित रहे। समापन में अभिषेक तिवारी ने सभी अधिकारियों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सहकार से समृद्धि के लक्ष्य की ओर अग्रसर होने का संकल्प दिलाया।

महिला थाने का सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता ने किया त्रिस्तरीय निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

सत्य सवेरा संवाददाता

जौनपुर। सीओ सिटी एवं ट्रेनी आईपीएस गोल्डी गुप्ता ने बुधवार को महिला थाने का त्रिस्तरीय निरीक्षण करते हुए कार्यप्रणाली की गहन समीक्षा की और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान उन्होंने सर्वप्रथम आगंतुक रजिस्टर, फरियादियों का विवरण, मासिक निरीक्षण पुस्तिका, प्रार्थना पत्र रजिस्टर, आरोप पत्र सहित CCTN और IGRS से संबंधित अभिलेखों की जांच की। उन्होंने अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख–रखाव पर बल दिया।सीओ सिटी ने पहरा ड्यूटी पर तैनात महिला आरक्षी भानमती चौहान को दायित्वों के प्रति सतर्क व जिम्मेदार रहते हुए ड्यूटी करने की हिदायत दी। वहीं महिला आरक्षी अनुप्रिया त्रिपाठी को असलहे खोलने का निर्देश दिया, जिसे उन्होंने कम समय में कुशलतापूर्वक करके अपनी दक्षता का परिचय दिया। इस पर सीओ सिटी ने प्रसन्नता व्यक्त की।महिला संबंधी मामलों में दोनों पक्षों की सहमति से समझौता कराकर दंपतियों के बीच मतभेद दूर कराने के प्रयासों की उन्होंने सराहना की। विशेष रूप से महिला थाना प्रभारी इंस्पेक्टर श्यामा तिवारी की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं।सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता लगभग 40 मिनट तक थाने पर मौजूद रहीं और विभिन्न इकाइयों का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उर्वशी सिंह (PLB), महिला थाना प्रभारी श्यामा तिवारी, सुमन देवी सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

वकील - साहब आप वर्दी में क्यों नहीं हैं? आप ड्यूटी पर हैं...

थानेदार – तुझे क्या करना है, तू वीडियो क्यों बना रहा, बंद कर इसे,
मैं एसएचओ हूं, मुझे मत सिखा,
सत्य सवेरा संवाददाता जोधपुर राजस्थान

राजस्थान में जोधपुर के पुलिस स्टेशन में गए वकील से इंस्पेक्टर ने बदतमीजी की और धारा–151 में गिरफ्तार करने की धमकी दी।इसके खिलाफ वकील धरने पर बैठ गए। हाईकोर्ट ने थानेदार से पुलिस कमिश्नर तक तलब कर लिए। कोर्ट में दुव्यर्वहार का वीडियो चलाया गया। वीडियो देखकर जज ने पुलिस कमिश्नर को फटकार लगाई,थानेदार हमीर सिंह और कांस्टेबल नरेंद्र सिंह हुए सस्पेंड

उत्तर प्रदेश सरकार दे रही है डेयरी उद्योग स्थापना और आधुनिकीकरण हेतु 5 करोड़ रुपये तक का अनुदान

सत्य सवेरा, संवाददाता/अमेठी। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में पशुपालन के क्षेत्र में किसानों और पशुपालकों को कई सुविधाएँ दी जा रही हैं। प्रदेश में पशुपालन और कृषि साथ–साथ होते रहे हैं। दूध की बढ़ती मांग को देखते हुए दुधारू पशुपालन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पशुपालन पर विशेष सुधार और सुविधाएँ देने का ही परिणाम है कि उत्तर प्रदेश दुग्ध उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर है। प्रदेश में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता वर्ष 2021 में 321 ग्राम थी, जो वर्ष 2024 में बढ़कर 471 ग्राम हो गई है।प्रदेश सरकार नस्ल सुधार, बायोगैस प्लांट की स्थापना, पशुपालकों को प्रशिक्षण और डेयरी नीतियों के माध्यम से दुग्ध उत्पादन और डेयरी उद्योग को बढ़ावा दे रही है। उत्तर प्रदेश दुग्धशाला विकास एवं दुग्ध उत्पाद प्रोत्साहन नीति 2022 के तहत प्रदेश में डेयरी उत्पाद की स्थापना और आधुनिकीकरण के लिए 5 करोड़ रुपये तक का अनुदान दिया जा रहा है।इस नीति के तहत प्रदेश के समस्त जनपदों में दुग्ध प्रसंस्करण और दुग्ध उत्पाद विनिर्माण दुग्धशाला इकाइयों की स्थापना अथवा विस्तार (विद्यमान क्षमता में न्यूनतम 25 प्रतिशत की वृद्धि की स्थिति में) के लिए प्लांट मशीनरी, तकनीकी सिविल कार्य एवं स्पेयर पार्ट्स की लागत का 35 प्रतिशत, अधिकतम 5 करोड़ रुपये तक पूंजीगत अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है।इसमें नवीन पशु आहार और पशु पोषण उत्पाद निर्माणशाला इकाई स्थापित करने हेतु प्लांट मशीनरी, तकनीकी सिविल कार्य और स्पेयर पार्ट्स की लागत का 35 प्रतिशत, अधिकतम 5 करोड़ रुपये तक पूंजीगत अनुदान उपलब्ध कराए जाने का प्रावधान है।उत्तर प्रदेश दुग्धशाला विकास एवं दुग्ध उत्पाद प्रोत्साहन नीति 2022 के अंतर्गत विद्यमान डेयरी प्लांट में आधुनिक तकनीकी उन्नयन या स्टार्ट–अप जैसें ब्व। सिस्टम, न्यू जेनरेशन तकनीक की मशीनरी और उपकरण आदि की स्थापना पर प्लांट मशीनरी, तकनीकी सिविल कार्य तथा स्पेयर पार्ट्स की लागत का 35 प्रतिशत, अधिकतम 2.50 करोड़ रुपये तक पूंजीगत अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा।डेयरी प्लांट के बाहर फील्ड में ट्रेसेबिलिटी और क्वालिटी कंट्रोल उपकरण जैसे डेटा प्रोसेसिंग मिल्क कलेक्शन यूनिट (ऑटोमेटिक मिल्क कलेक्शन यूनिट)धविलेज लेवल कलेक्शन सेंटर हेतु खरीदी गई मशीनरी और स्पेयर पार्ट्स की लागत का 35 प्रतिशत, अधिकतम 1 करोड़ रुपये तक पूंजीगत अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही रेफ्रीजरेटेड वैन/इन्सुलेटेड वैनध्रोड मिल्क टैंकर, बल्क मिल्क कूलर, आइसक्रीम ट्राली/डीप फ्रीजर आदि कोल्ड चेन प्रणाली की स्थापना और खरीद तथा चिलिंग प्लांट की स्थापनाध्कोल्ड रूम हेतु प्लांट मशीनरी, तकनीकी सिविल कार्य और स्पेयर पार्ट्स की लागत का 35 प्रतिशत, अधिकतम 1 करोड़ रुपये तक पूंजीगत अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा।

सराहनीय कार्य अमेठी पुलिस- नशा मुक्त अमेठी अभियान के तहत 750 ग्राम गांजा के साथ अभियुक्तगिरफ्तार

सत्य सवेरा, संवाददाता/अमेठी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अमेठी पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक अमेठी श्रीमती अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी श्री ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जिलेभर में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे "नशा मुक्त अमेठी अभियान" के क्रम में थाना अमेठी पुलिस ने 03 दिसंबर 2025 को एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया। क्षेत्राधिकारी अमेठी श्री मनोज कुमार मिश्र के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में नियमित गश्त व संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु एवं वाहन चेकिंग कर रही थी, इसी दौरान कटरा राजा हिम्मत सिंह निवासी राहुल पुत्र करमराज उर्फ करमचन्द्र उम्र लगभग 28 वर्ष को पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 750 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसके बाद उसे मौके पर ही हिरासत में लिया गया।पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि गिरफ्तार अभियुक्त का आपराधिक इतिहास काफी लंबा है। अमेठी जनपद के विभिन्न थानों में इसके विरुद्ध लूट, मारपीट, गाली–गलौज, धमकी, गुण्डा एक्ट, एनडीपीएस एक्ट तथा एससीध्एसटी एक्ट समेत कुल 13 मुकदमे पहले से पंजीकृत हैं। पुलिस के अनुसार अभियुक्त नशे की अवैध आपूर्ति से जुड़े नेटवर्क का सक्रिय सदस्य रहा है और इसके खिलाफ कई मामलों में गिरफ्तारी वारंट भी जारी हुए थे। पुलिस टीम ने बरामदगी के आधार पर उसके खिलाफ मु0अ0सं0 334/25 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक श्री रवि कुमार सिंह, उपनिरीक्षक प्रेमचन्द्र गौतम, कांस्टेबल अनुज सिंह तथा कांस्टेबल शिवम पाल शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि "नशा मुक्त अमेठी अभियान" के तहत जिले में नशे की तस्करी, बिक्री और सेवन से जुड़े लोगों पर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस का कहना है कि समाज को नशा–मुक्त बनाने और युवाओं को सुरक्षित भविष्य देने के लिए अभियान को और अधिक प्रभावी तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा।

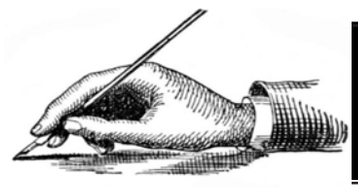

सम्पादकीय

41 साल बाद भी इंसाफ की तलाश में भोपाल गैस त्रासदी पीड़ितं

♦ पीड़ितों के संगठनों ने आरोप लगाया कि सरकारों ने सालों से आपराधिक आरोप कम करने, पुनर्वास उपायों को रोकने, मुआवज़े की कोशिशों को कमज़ोर करने और भारत में डॉव केमिकल को फैलने में मदद की है। दरअसल, दुर्घटना के तुरन्त बाद जिस प्रकार से युनियन कार्बाइड के भारत में प्रमुख वॉरेन एंडरसन को रातो रात भारत से भगा दिया गया ,उसके बाद से ही पीड़ितो की लड़ाई कमजोर हुई ,उस समय की अर्जुन सिंह सरकार ने इस मामले पर पर्याप्त सतर्कता नहीं बरती थी। और रही कसर बाद में आयी भाजपा की सरकारो ने पूरी कर दी । भोपाल गैस त्रासदी की 41वीं बरसी पर पीड़ितों के संगठनों ने भारतीय जनता पाटह्न (भाजपा) पर यूनियन कार्बाइड और डॉव केमिकल को जवाबदेही से बचाने और न्याय में रुकावट डालने का आरोप लगाया है।

यह बेहद चौंकाने वाला है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गैस पीड़ितो के चार के संगठन , भोपाल गैस पीड़ित महिला स्टेशनरी कर्मचारी संघ, भोपाल गैस पीड़ित महिला पुरुष संघर्ष मोर्चा, भोपाल गैस पीड़ित निराश्रित पेंशनभोगी संघर्ष मोर्चा और भोपाल ग्रुप फॉर इन्फॉर्मेशन एंड एक्शन ने 'भाजपा के खिलाफ भोपाल गैस पीड़ितों का आरोपपत्र' नाम से एक दस्तावेज जारी किया।

साल 1984 में हुए युनियन कार्बाइड प्लांट से जहरीली गैस के रिसाव से लगभग 5000 लोग मारे गये थे और लगभग पांच लाख लोग इससे प्रभावित हुए थे। यह भारत में सबसे कड़ी औद्योगिक दुर्घटनाओं में से एक है, लेकिन सबसे बड़ा दुर्भाग्य यह है कि हादसे के 41 साल बीत जाने के बाद भी अभी तक पीड़ितो न्याय नहीं मिल पाया है। पीड़ितों के संगठनों ने आरोप लगाया कि सरकारों ने सालों से आपराधिक आरोप कम करने, पुनर्वास उपायों को रोकने, मुआवज़े की कोशिशों को कमज़ोर करने और भारत में डॉव केमिकल को फैलने में मदद की है। दरअसल, दुर्घटना के तुरन्त बाद जिस प्रकार से युनियन कार्बाइड के भारत में प्रमुख वॉरेन एंडरसन को रातो रात भारत से भगा दिया गया,उसके बाद से ही पीड़ितो की लड़ाई कमजोर हुई ,उस समय की अर्जुन सिंह सरकार ने इस मामले पर पर्याप्त सतर्कता नहीं बरती थी। और रही कसर बाद में आयी भाजपा की सरकारो ने पूरी कर दी । भोपाल गैस त्रासदी की 41वीं बरसी पर पीड़ितों के संगठनों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर यूनियन कार्बाइड और डॉव केमिकल को जवाबदेही से बचाने और न्याय में रुकावट डालने का आरोप लगाया है। यह बेहद चौंकाने वाला है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गैस पीड़ितो के चार के संगठन , भोपाल गैस पीड़ित महिला स्टेशनरी कर्मचारी संघ, भोपाल गैस पीड़ित महिला पुरुष संघर्ष मोर्चा, भोपाल गैस पीड़ित निराश्रित पेंशनभोगी संघर्ष मोर्चा और भोपाल ग्रुप फॉर इन्फॉर्मेशन एंड एक्शन ने 'भाजपा के खिलाफ भोपाल गैस पीड़ितों का आरोपपत्र' नाम से एक दस्तावेज जारी किया।.जिसमें में 1982 और 2024 के बीच 13 ऐसे मामले सूचीबद्ध किए गए हैं, जहां संगठनों ने आरोप लगाया है कि भाजपा सरकारों ने सालों से आपराधिक आरोप कम करने, पुनर्वास उपायों को रोकने, मुआवज़े की कोशिशों को कमज़ोर करने और भारत में डॉव केमिकल को फैलने में मदद करने के लिए दखल दिया है.उल्लेखनीय है कि भोपाल गैस कांड दुनिया की सबसे बड़ी औद्योगिक आपदाओं में से एक है. 2 और 3 दिसंबर 1984 की मध्यरात्रि को यूनियन कार्बाइड कारखाने से जहरीली 'मिथाइल आइसोसाइनेट' गैस रिसने के बाद 5,000 से अधिक लोग मारे गए थे और लगभग 5.68 लाख लोग प्रभावित हुए थे. इसके अलावा पशुधन की हानि हुई और लगभग 5,478 व्यक्तियों की संपत्ति का नुकसान हुआ था। इस त्रासदी में जिन लोगों की जान बची वे जहरीली गैस के रिसाव के कारण बीमारियों का शिकार हो गए. वे पर्याप्त मुआवजे और उचित चिकित्सा उपचार के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं।यूनियन कार्बाइड कंपनी, जिसने भोपाल में कीटनाशक दवाई बनाने का कारखाना चलाया था, जहां गैस लीक हुई थी, अभी भी फरार है, जबकि डॉव केमिकल, जिसने 2001 में यूनियन कार्बाइड को खरीदा था, भारतीय कोर्ट के समन को मना कर रही है. वॉरेन एंडरसन, जो हादसे के समय यूनियन कार्बाइड के सीईओ थे, 2014 में उनकी मृत्यु हो गई थी।हादसे के पीड़ितों की बार–बार मांग के बावजूद कंपनी को मुकदमे के लिए भारत कभी नहीं लाया गया. हादसे में बचे हुए लोगों का कहना है कि इंसाफ को व्यवस्थित तरीके से रोक दिया गया है। पीड़ितों का कहाना है कि भाजपा के खिलाफ लाया गया आरोपपत्र से साफ पता चलता है कि राजनीतिक फैसले पीड़ितों के अधिकारों के बजाय कॉरपोरेट हितों के पक्ष में हैं और यह लंबे समय से चले आ रहे पैटर्न को दिखाता है।

बेपरवाह विकास का परिणाम थी भोपाल गैस त्रासदी

अनिल जैन

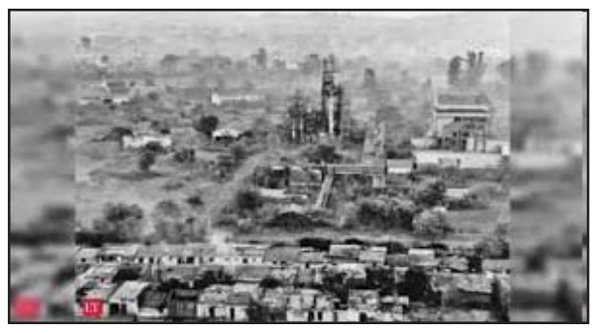

विकास की गतिविधियों के चलते बड़े पैमाने पर हो रहा लोगों का विस्थापन सामाजिक असंतोष को जन्म दे रहा है। यह असंतोष कहीं–कहीं हिंसक प्रतिकार के रूप में भी सामने आ रहा है। किसी भी कीमत पर विकास की जिद के चलते ही देश की राजधानी दिल्ली समेत तमाम महानगर तो लगभग नरक में तब्दील होते जा रहे हैं। इंसान को तमाम तरह की सुख–सुविधाओं के साजो–सामान देने वाला सतर्कताविहीन या कहें कि गैरजिम्मेदाराना विकास कितना मारक हो सकता है, इसकी जो मिसाल भोपाल में चार दशक पहले देखने को मिली थी, उसे वहां अभी अलग–अलग स्तर पर अलग–अलग रूपों में देखा जा सकता है। दुनिया की भीषणतम भोपाल गैस त्रासदी को पूरे 41 बरस हो चुके हैं। दो और तीन दिसंबर, 1984 की दरम्यानी रात को यूनियन कार्बाइड के कारखाने से निकली जहरीली गैस (मिक यानी मिथाइल आइसो साइनाइट) ने अपने घरों में सोए हजारों लोगों को एक झटके में हमेशा–हमेशा के लिए सुला दिया था। जिन लोगों को मौत अपने आगोश में नहीं ले पाई थी, वे उस जहरीली गैस के असर से मर–मरकर जिंदा रहने को मजबूर हो गए थे। ऐसे लोगों में कई लोग तो उचित इलाज के अभाव में मर गए और जो किसी तरह जिंदा बच गए उन्हें तमाम संघर्षों के बावजूद न तो आज तक उचित मुआवजा मिल पाया और न ही उस त्रासदी के बाद पैदा हुए खतरों से पार पाने के उपाय किए जा सके। इन खतरों को लेकर केंद्र और राज्य सरकार की बेपरवाही का आलम यह रहा कि भोपाल के यूनियन कार्बाइड कारखाने का 350 टन जहरीला रासायनिक कचरा उसके परिसर में गैस कांड के बाद पूरे 40 साल तक दबा या खुला पड़ा रहा, जो सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप से किसी तरह वहां से हटाकर इसी साल जून में इंदौर के समीप पीथमपुर में नष्ट किया गया है। इस मलबे में कीटनाशक रसायनों के अलावा पारा, सीसा, क्रोमियम जैसे भारी तत्व थे जो सूरज की रोशनी के संपर्क में आकर हवा को और जमीन में दबे रासायनिक तत्वों व भू जल को जहरीला बना कर लोगों की सेहत पर दुष्प्रभाव डालते रहे हैं। यही नहीं, इसकी वजह से उस इलाके की जमीन में भी प्रदूषण लगातार फैलता रहा है जिससे आसपास के इलाके भी इसकी चपेट में आए हैं।

हैरानी की बात है कि इस जहरीले कचरे के प्रभाव को लेकर कई सरकारी शोध भी हुए हैं लेकिन उनकी रिपोर्ट आज तक सार्वजनिक नहीं की गई। त्रासदी के चार दशक बीत जाने के बावजूद प्रशासन अभी तक त्रासदी में मारे गए लोगों से जुड़े आंकड़े भी उपलब्ध नहीं करा सका है। गैर सरकारी संगठन जहां इस गैस कांड से अब तक 25 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने का दावा करते हैं, वहीं राज्य सरकार के आंकड़ों के मुताबिक इस हादसे में 5295 लोग मारे गए और साढ़े पांच लाख लोग जहरीली गैस के असर से विभिन्न बीमारियों के शिकार हुए। हकीकत में तो बीमारियों के शिकार हुए लोगों की संख्या साढ़े पांच लाख से कहीं ज्यादा है, क्योंकि 1997 के बाद सरकार ने गैस पीड़ितों के बारे में पता लगाना बंद कर दिया। यूनियन कार्बाइड कारखाने के परिसर में पड़े रहे जहरीले रासायनिक कचरे की वजह से भी हर साल बढ़ते रोगियों के आंकड़े नहीं जुटाए गए हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने, जो बेहद खर्चीला और बहुप्रचारित देशव्यापी स्वच्छता अभियान चलाया, उसमें भी यूनियन कार्बाइड कारखाने के परिसर में रखे गए इस औद्योगिक जहरीले कचरे और प्रदूषण से मुक्ति का महत्वपूर्ण पहलू अपनी जगह नहीं बना पाया। मध्य प्रदेश में भी इस त्रासदी के बाद कई सरकारें आईं और गईं– कांग्रेस की भी और भाजपा की भी, लेकिन इस जहरीले और विनाशकारी कचरे के समुचित निपटान का मसला उनके विमर्श में जगह नहीं बना पाया। उनके एजेंडे में रहीं नर्मदा परिक्रमा, बुजुर्गों के तीर्थ दर्शन यात्रा जैसी पाखंड भरी योजनाएं या फिर विकास के नाम पर पर्यावरण को तहस–नहस करने वाली खर्चीली परियोजनाएं– जिनमें भ्रष्टाचार की असीम संभावनाएं रहती हैं।भोपाल गैस त्रासदी की भयावहता और उसके दूरगामी परिणामों की तुलना करीब आठ दशक पहले दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान जापान के दो शहरों हिरोशिमा और नागासाकी पर हुए उन परमाणु हमलों से की जा सकती है जो अमेरिका ने किए थे। उन हमलों में दोनों शहर पूरी तरह तबाह हो गए थे और डेढ़ लाख से अधिक लोग मारे गए थे। इस सिलसिले में भोपाल गैस त्रासदी के करीब डेढ़ वर्ष बाद अप्रैल 1986 में तत्कालीन सोवियत संघ के यूक्रेन में चेरनोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र में हुए भीषण विस्फोट को भी याद किया जा सकता है, जिसमें भारी जान–माल का नुकसान हुआ था। करीब 3.50 लाख लोग विस्थापन के शिकार हुए थे तथा रूस, यूक्रेन और बेलारूस के करीब 55 लाख लोग विकिरण की चपेट में आए थे। हिरोशिमा और नागासाकी को 80 वर्ष, भोपाल गैस त्रासदी को 41 वर्ष और चेरनोबिल को 39 वर्ष बीत गए हैं, लेकिन दुनिया का शासक वर्ग अभी भी सबक सीखने को तैयार नहीं है। वह पूरी दुनिया को ही हिरोशिमा–नागासाकी, भोपाल और चेरनोबिल में तब्दील कर देने की मुहिम में जुटा है। दुनिया के तमाम विकसित देश इस मुहिम के अगुवा बने हुए हैं और हमारा देश उनका पिछलग्गू। देश में विकास के नाम पर जगह–जगह विनाशकारी परियोजनाएं जारी हैं।

नए दौर में भारत–रूस संबंधों को पुनर्निर्धारित करने की कोशिश

के रवींद्रन

शिखर सम्मेलन में होने वाली चर्चाओं में बड़ी आर्थिक संभावनाओं पर भी बात होने की संभावना है, भले ही रक्षा और ऊर्जा सुर्खियों में छाए रहें। दोनों देशों के बीच व्यापार के आंकड़ों में पहले वृद्धि में तेज़ी दिखी, फिर कुछ समय के लिए ठहराव भी आया, जो लगातार बढ़ोतरी को अनलॉक करने के लिए ढांचागत दखल की ज़रूरत को दिखाता है। राजनीतिक इरादे और आर्थिक व्यावहारिक सोच का बढ़ता मेल भारत–रूस रिश्ते को नई रफ़्तार दे रहा है, जिससे नई दिल्ली में होने वाला शिखर सम्मेलन एक ऐसी भागीदारी में एक अहम पल बन रहा है जिसने पहले ही दशकों के भूराजनीतिक बदलावों को झेला है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का दौरा, जिसे श्स्पेशल और प्रिविलेज्ड पार्टनरशिपश (विशेष और तरजीही भागीदारी) की शब्दावली में बताया गया है, दोनों तरफ़ से एक ऐसे एजेंडा को आगे बढ़ाने की इच्छा का संकेत देता है जो अब पहले की रुकावटों तक सीमित नहीं है और अब सिर्फ पुरानी मजबूरियों से बना नहीं है।

जबकि पिछले साल ज़्यादातर बातचीत में तेल ही हावी रहा,वैश्विक ऊर्जा बाजार में हो रहे बदलाव और वाशिंगटन में चल रही बातचीत ने हाइड्रोकार्बन को लेकर दबाव कम कर दिया है, जिससे नई दिल्ली और मॉस्को अपना ध्यान रक्षा सहयोग और बड़े रणनीतिगत संबंधों पर केन्द्रित कर पा रहे हैं। इस बदलाव को मुमकिन बनाने वाला एक बड़ा बदलाव क्रूड सप्लाई को लेकर उम्मीदों का पुनर्समायोजन है। वैश्विक तेल की कीमतों में उतार–चढ़ाव और भारत की ऊर्जा टोकरी की बदलती बनावट ने ऐसा माहौल बना दिया है, जहां रूसी हेवी क्रूड बनाम अमेरिकी लाइट क्रूड को लेकर टकराव अब ज़रूरी नहीं रहा। भारत की कई अन्य आपूर्तिकर्ताओं से आयात संतुलित करने की क्षमता, और खरीदे जाने वाले तेल के ग्रेड के बीच सीधी प्रतिस्पर्धा की कमी ने, वाशिंगटन और मॉस्को के साथ उसकी भागीदारी के बीच टकराव की गुंजाइश कम कर दी है। बदले में, इसने भारत के राजनयिक बैंडविड्थ से एक बड़ा बोझ कम कर दिया है, जिससे नीति योजनाकार रूस के साथ सहयोग के पुराने तरीकों पर फिर से विचार कर सकते हैं और किसी दूसरे भागीदार को नाराज़ करने की चिंता किए बिना नए तरीके खोज सकते हैं। इस बदलाव से बनी जगह खास तौर पर रक्षा सहयोग में साफ़ दिखती है, जो लंबे समय से भारत–रूस समीकरण का सबसे अहम हिस्सा रहा है। दोनों सरकारों ने माना है कि रक्षा संबंधों को गहरा करना दिल्ली शिखर सम्मेलन का केन्द्र होगा। उम्मीद है कि चर्चा पारंपरिक खरीदार–बिक्रीकर्ता गत्यात्मकता से आगे बढ़ेगी, जिसने शीतयुद्ध काल के बाद से सैन्य संबंधों को आकार दिया है। भारत, जो अब रक्षा उत्पान में स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता के लिए अपनी कोशिशों में ज़्यादा ज़ोर दे रहा है, ऐसे मॉडल खोज रहा है जिनमें प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, संयुक्त विनिर्माण और साइबर क्षमताओं, स्पेस आधारित संपदा और एडवांस्ड प्रोपल्शन सिस्टम जैसे उभरते हुए क्षेत्र में लंबे समय तक सहयोग शामिल हो। मॉस्को, अपनी तरफ से, भारत को एक भरोसेमंद भागीदार के तौर पर बनाए रखने में फ़ायदा देखता है, ऐसे समय में जब उसके अपने रणनीतिगत माहौल पर काफ़ी दबाव पड़ा है। पश्चिमी पाबंदियों और बदलते क्षेत्रीय गठबंधनों ने रूस को अपने आर्थिक और राजनीतिक जुड़ावों में विविधता लाने के लिए मजबूर किया है। भारत का बड़ा बाज़ार, इसका बढ़ता रक्षा औद्योगिक आधार और इसका भूराजनीतिक वजन रूस को स्थिरता और मौका दोनों देते हैं। आने वाला शिखर सम्मेलन इन मेलजोल को मज़बूत करने का एक रास्ता देता है, मौजूदा संबंधों और उत्पादनों पर काम करते हुए भविष्य के ऐसे रास्ते बताता है जो साझा रणनीतिगत गणना को दिखाते हैं। इन बातों का नई दिल्ली की विदेश नीति के लिए भी बड़े असर हैं। रणनीतिगत स्वायत्तता पर भारत का लंबे समय से ज़ोर, बदलते वैश्विक शक्ति ढांचा द्वारा लगातार जांचा जा रहा है। अमेरिका–चीन तनाव के बदलते हालात, अन्तरराष्ट्रीय प्रणाली में रूस की बदलती स्थिति और पश्चिम एशिया को आकार दे रही अनिश्चितताओं ने भारत की राजनयिक फुर्ती पर नई मांगें खड़ी कर दी हैं। इस माहौल में, रूस के साथ एक मजबूत भागीदारी बनाए रखने से कई मकसद पूरे होते हैंरू यह भारत की पैंतरेबाज़ी की आज़ादी बनाए रखने में मदद करता है, इसके रक्षा प्रदर्शन में विविधता पक्का करता है और दूसरी बड़ी ताकतों के साथ बातचीत में फ़ायदा देता है। इनमें से कई गणनाओं के साथ ऊर्जा सुरक्षा जुड़ी हुई है। भारत की विविधिकरण रणनीति का मतलब है कि कोई भी एक देश इसके आपूर्ति स्रोत पर हावी नहीं है, लेकिन रूस एक अहम भूमिका निभाता रहा है। इसका हेवी क्रूड भारत के रिफाइनिंग इकोसिस्टम में सटीक बैठता है, जबकि अमेरिकी लाइट क्रूड लोच और माप की अधिकता देता है। जैसे–जैसे वैश्विक बाजार ओपेक के व्यवहार में बदलाव, गैर–ओपेक आपूर्ति के विस्तार और कमोडिटी के बहाव को प्रभावित करने वाली बड़ी अस्थिरता के हिसाब से एडजस्ट कर रहे हैं, भारत के आयात प्रोफ़ाइल में रूसी और अमेरिकी क्रूड के बीच टकराव की कमी दोनों भागीदार के साथ समानांतर सम्बंध कायम रखने के लिए जगह देती है। इसने न केवल भूराजनीतिक जोखिमों को कम किया है, बल्कि भारत की ऊर्जा राजनयिकता को आगे बढ़ाने की क्षमता को भी गहरा किया है जो व्यावहारिक और लचीली दोनों है। शिखर सम्मेलन में होने वाली चर्चाओं में बड़ी आर्थिक संभावनाओं पर भी बात होने की संभावना है, भले ही रक्षा और ऊर्जा सुर्खियों में छाए रहें। दोनों देशों के बीच व्यापार के आंकड़ों में पहले वृद्धि में तेज़ी दिखी, फिर कुछ समय के लिए ठहराव भी आया, जो लगातार बढ़ोतरी को अनलॉक करने के लिए ढांचागत दखल की ज़रूरत को दिखाता है।

कविता

"देखा है"

मैंने इस कलयुग में,
भैंस को बबूल में चढ़ते देखा है,
पैसों में पुण्य खरीदते देखा है,
मंदिरों में पुण्य बिकते देखा है!
मैंने इस कलयुग में,
वर्ण व्यवस्था की धज्जियां,
जातिवाद में चढ़ते देखा है,
वाचाल को गुंगा होते देखा है!
मैंने इस कलयुग में,
उजड़े चमन में झूठे बाग देखा है,
हरे – भरे बागों को,
जलते, उजड़ते देखा है!
मैंने इस कलयुग में,
जलती नारी को हंसते देखा है,
नार – नारी के सामंजस्य विगड़ते देखा है,
संस्कारों की धज्जियां उड़ाते देखा है!
मैंने इस कलयुग में,
नाम के मतलवी रिश्ते देखा है,
बालू की भीठ में झूठ की गाड़ी,
परिवार बिखरते देखा है!
मैंने इस कलयुग में,
यह मत पूछो क्या – क्या नहीं देखा है,
सबकुछ उल्टा – पुल्टा देखा है,
एक शुकून से जीते नहीं देखा है!!

डॉ. सतीश बब्बा

अमेठी में विश्व दिव्यांग दिवस पर 201 दिव्यांग लाभार्थियों को 341 सहायक उपकरण वितरित

सत्य सवेरा, संवाददाता

अमेठी। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर बुधवार को गौरीगंज के विकास भवन परिसर में सामाजिक अधिकारिता शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान भारत सरकार की एडिप योजना के तहत जनपद के दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण वितरित किए गए।कार्यक्रम का शुभारंभ मा. विधायक गौरीगंज राकेश प्रताप सिंह और मुख्य विकास अधिकारी सचिन कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में 5 से 9 अगस्त 2024 तक चिन्हित किए गए 201 दिव्यांग लाभार्थियों को कुल 341 सहायक उपकरण प्रदान किए गए। इनमें 107 ट्राईसाइकिल, 60 मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, 21 फोल्डिंग व्हीलचेयर, 1 व्हीलचेयर, 6 छोटी बैसाखी, 92 मध्यम बैसाखी, 8 बड़ी बैसाखी, 4 एल्बो बैसाखी, 2 फोल्डिंग वॉकर, 34 समायोजक छड़ी, 2 सुगम्य केन, 2 कान की मशीन और 2 रोलैटर शामिल थे।मा. विधायक ने कहा कि सरकार दिव्यांगजनों के पुनर्वास और सुविधा के लिए लगातार प्रयासरत है। एल्मिको के सहयोग से जरूरतमंद

दिव्यांगजन को उपयुक्त उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि जिन पात्र व्यक्तियों का पंजीकरण नहीं हो पाया है, उनका उसी दिन पंजीकरण कर उपकरण उपलब्ध कराए जाएं।कार्यक्रम में पीडी डीआरडीए ऐश्वर्य यादव, जिला दिव्यांग कल्याण अधिकारी विकास मौर्या, अनुपम पांडेय, एल्मिको के प्रतिनिधि सहित अन्य अधिकारी और लाभार्थी उपस्थित रहे।

खजुरिहा में लगा टीकाकरण महोत्सव कैम्प

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। क्षेत्र के मेलारायगंज दनापुर खजुरिहा में टीकाकरण महोत्सव कैंप का आयोजन किया गया। इन कैंपों का निरीक्षण अधिकारियों ने किया। खजुरिया गांव में लगाए गए टीकाकरण कैंप का उप जिला अधिकारी सिरौलीगौसपुर प्रीति सिंह ने निरीक्षण किया जहां पर उन्होंने टीकाकरण से संबंधित जानकारी ली और उन्होंने शतप्रतिशत टीकाकरण करवाए जाने का निर्देश दिया। मेलारायगंज कैम्प का सीडीपीओ अर्चना वर्मा ने किया उन्होंने एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और आशा बहुओं से टीकाकरण संबंधी जानकारी ली।

मेरठ के चौधरी चरण सिंह जिला कारागार का मामला.

मुरादाबाद बिलारी गददा बनाने के कारखाने में आग लगने से 15–20 लाख रुपए का नुकसान

सत्य सवेरा संवाददाता मुरादाबाद/बिलारी। नगर में पुरानी सरिया मिलकर निकट रजा नगर में गद्दे बनाने के कारखाने में आग लगने से 15,–20 लाख रुपए का नुकसान हो गया। रमजानी पुत्र सुबराती निवासी खाबरी अव्वल का रजा नगर में रुई के गद्दे बनाने का कारखाना और गोदाम है। बुधवार की सवेरे लगभग 10:00 बजे कारखाने में आग लग गई। इसका कारण बताया की मशीन में चलते समय कंकर आने से चिंगारी उठी और रुई ने आग पकड़ ली जो देखते ही देखते बढ़ गई सूचना पर फायर ब्रिगेड में पहुंचकर आग बुझाई। कारखाना स्वामी के अनुसार लगभग आठ लाख रुपए के तैयार गददे थे, कुछ कच्चा माल दो मशीनें जल गईं। कुल 15– 20 लाख का नुकसान बताया है। गोदाम के पास खड़े एक ट्रक कंटेनर में वोल्टास कंपनी के रेफ्रिजरेटर लदे हुए थे, उसमें भी आग लग गई। लोगों की सहायता से ट्रक कंटेनर को आग लगे गोदाम से दूर ले जाया गया। उसमें रखे कई एसी जल गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर फायर ब्रिगेड को बुलाकर आग को बुझाया। ट्रक कंटेनर के ड्राइवर मोहम्मद आमिर पुत्र जमील निवासी ग्राम डींगरपुर थाना मैनाठेर ने बताया कंटेनर में वोल्टास कंपनी के रेफ्रिजरेटर भरे हुए थे जो कि रुद्रपुर से लोड करके विशाखापट्टनम ले जा रहा था रात आठ बजे गोदाम के पास ट्रक को खड़ा किया था।

प्रशिक्षु अधिकारी अधिक से अधिक फील्ड पर जाकर आम जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं का निस्तारण पारदर्शिता से कराये–प्रमुख सचिव गृह

सत्य सवेरा संवाददाता/लखनऊ। मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश की कानून व्यवस्था को प्राथमिकता दी गयी है इसके तहत वर्तमान प्रदेश सरकार जीरो टालरेंस नीति पर लगातार कार्य कर रही है जिससे आम जन में पुलिस की छवि और अधिक बेहतर हुई है। उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने प्रशिक्षु आई0पी0एस0 अधिकारियों से कहा कि क्षेत्र में आम जनता के हितों को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करे। जनता की समस्याओं का निस्तारण पारदर्शिता से कराये। उन्होंने कहा कि आई0पी0एस0 अधिकारियो को अपने तैनाती स्थल पर छोटी–छोटी घटनाओं को भी गंभीरता से लेना चाहिए।प्रमुख सचिव गृह आज अपने लोकभवन स्थित कार्यालय कक्ष के सभागार मे उ0प्र0 कैडर के 77 वें आर आर के 23 प्रशिक्षु आई0पी0एस0 अधिकारियों से भेट कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षु अधिकारी अपनी बेहतर कार्य शैली एवं जन संवाद के माध्यम से आम जन नागरिकों में बेहतर छवि बनाने में कोई कसर न छोड़े। संजय प्रसाद ने प्रशिक्षु आई0पी0एस0 आधिकारियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आप सभी जन आकांक्षाओं की कसौटी पर भविष्य में खरा उतरे और पूर्ण मनोयोग से अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते हुए अधिक से अधिक जनता का विश्वास प्राप्त करे। उन्होंने यह भी कहा कि सभी प्रशिक्षु आई0पी0एस0 आधिकारी जनसुनवाई हेतु निर्धारित समय पर कार्यालय में बैठे और समस्याओं का निस्तारण कराये। जनसुनवाई के दौरान आगन्तुकों से विनम्र व्यवहार करें।प्रमुख सचिव गृह से मिलने आये प्रशिक्षु आई0पी0एस0 अधिकारी सर्व अभय राजेन्द्र, अंजना दहिया, अंकित बंसल, बजरंग प्रसाद, दिक्शा भोरिया, दिनेश गोदारा, ईश्वर लाल गुज्जर, सुमेधा मिलिंद, जयबिन्द कुमार गुप्ता, कनिष्क आर0 जामकर, मानशी, मो0 आफताब आलम, प्रदीप कुमार, प्रेमसुख दरिया, एस0 दीप्ती चौहान, समयक चौधरी, संचित शर्मा, सारिका चौधरी, श्लोक गौतम, सृष्टि जैन, शुभम जैन, सिमरन सिंह व विनय कुमार यादव है। इस मौके पर अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशिक्षण, बी0डी0 पालसन तथा विशेष सचिव गृह राकेश कुमार मालपानी, महेन्द्र व मंजूलता सिंह के साथ अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

तीसरा मोड बनने से गन्ना तौल में परेशानी, किसान असमंजस में–45 कुंटल पर विवाद

सत्य सवेरा संवाददाता /अयोध्या। गन्ना आपूर्ति के लिए 45 कुंटल का तीसरा मोड जारी किए जाने पर किसान गहरी परेशानी में हैं। अब तक गन्ने की तौल केवल दो मोड पर होती रही हैकृ27 कुंटल पर बैलगाड़ी और 63 कुंटल पर ट्राली। लेकिन इस वर्ष गन्ना विभाग द्वारा अचानक 45 कुंटल की सप्लाई पर्ची जारी कर दी गई है, जिससे किसान असमंजस में पड़ गए हैं कि आखिर 45 कुंटल गन्ना किस वाहन पर ले जाया जाए।

चीनी मिल अधिकारियों का कहना है कि मिल में 45 कुंटल की तौल व्यवस्था का कोई प्रावधान ही नहीं है, जबकि विभाग ने सप्लाई पर्ची में 45 कुंटल का मोड जारी कर दिया है। किसान पर्ची और गन्ना लेकर इधर–उधर भटक रहे हैं और तौल नहीं हो पा रही है।इसी समस्या को लेकर भारतीय किसान यूनियन का एक प्रतिनिधिमंडल भाकियू महासचिव घनश्याम वर्मा के नेतृत्व में जिला गन्ना अधिकारी से मिलने पहुंचा, लेकिन अधिकारी माननीय उच्च न्यायालय में होने के कारण मुलाकात नहीं हो सकी।श्री वर्मा ने बताया कि पिछले वर्षों में गन्ने की तौल केवल दो मोडकृ27 और 63 कुंटलकृमें होती थी, लेकिन इस बार कहीं–कहीं 45 कुंटल की सप्लाई पर्ची जारी होने से बड़ा संकट पैदा हो गया है। उन्होंने कहा कि "सबसे हैरानी की बात यह है कि सप्लाई मोड में '–––' लिखकर जारी कर दिया गया है, जिससे भ्रम और बढ़ गया है। यदि 45 कुंटल लागू किया गया तो इसके लिए नया वाहन तैयार करना पड़ेगा, जो संभव ही नहीं है।"भाकियू महासचिव ने गन्ना विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि किसानों की सुविधा को देखते हुए इस वर्ष भी केवल दो मोड में ही गन्ने की तौल कराई जाए। अन्यथा यह निर्णय किसानों के हित के विपरीत साबित होगा और भारी अव्यवस्था पैदा कर देगा।

अमेठी में बीज दुकानों पर छापेमारी, अनुदानित बीज वितरण की तिथि बढ़ी

सत्य सवेरा, संवाददाता

अमेठी। कृषि विभाग की टीम ने बुधवार को जगदीशपुर, महोना और शुकुल बाजार क्षेत्र की बीज दुकानों पर छापेमारी की। जिला कृषि अधिकारी डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि जांच के दौरान विभिन्न दुकानों से कुल 13 बीज नमूने गृहीत किए गए हैं। जगदीशपुर में किसान बीज भंडार से 1, देशराज बीज भंडार से 2, न्यू तेज बहादुर बीज भंडार से 2, राम बहादुर बीज भंडार से 2 और खेती–बाड़ी भंडार से 1 नमूना लिया गया। वहीं शुकुल बाजार में मौर्य बीज भंडार से 2 और न्यू मौर्य बीज भंडार से 2 नमूने लिए गए। प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट आने के बाद यदि किसी भी नमूने में अमानक बीज पाया गया, तो संबंधित दुकानदारों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।इसके साथ ही रबी सीजन के लिए 50 प्रतिशत अनुदानित गेहूं बीज वितरण की अंतिम तिथि 30 नवंबर से बढ़ाकर 7 दिसंबर कर दी गई है। जिले के 13 विकास खंडों के अलावा आईएफएफडीसी सेंटर जायस, गौरीगंज, अमेठी, मुसाफिरखाना और कृषि वानिकी केंद्र हरखुमाऊ, मड़वा, रिच्छौर, रामशाहपुर व हिल सेंटर गौरीगंज, रानीगंज और फुरसतगंज में भी अनुदानित बीज उपलब्ध हैं। कृषि अधिकारी ने किसानों से अपील की कि वे अंतिम तिथि से पहले अनुदानित बीज का लाभ अवश्य उठाएं, क्योंकि उसके बाद अनुदान उपलब्ध नहीं होगा।

उपकेन्द्र शुकुलपुर, ठेंगहा - बिजली बिल राहत योजना में बढ़ी रुचि, मिसरौली कैंप में बड़ी संख्या में हुए पंजीकरण

सत्य सवेरा, संवाददाता /अमेठी। प्रदेशभर में चलाई जा रही बिजली बिल राहत योजना उपभोक्ताओं के लिए उम्मीद की किरण बनकर सामने आ रही है। योजना के तीसरे दिन

भी लोगों में भारी उत्साह देखा गया। 33ध्11 उपकेन्द्र शुकुलपुर ठेंगहा के अंतर्गत मिसरौली में 3 दिसंबर को आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने पहुंचकर अपना पंजीकरण कराया और रियायतों का लाभ उठाया।कैंप का उद्देश्य उपभोक्ताओं को बिना किसी परेशानी के योजना का लाभ उपलब्ध कराना था। उपभोक्ताओं ने लंबे समय से लंबित बिजली बिल में छूट पाने और मासिक भार कम करने के लिए योजना में रुचि दिखाई। विभागीय कर्मियों ने मौके पर ही त्वरित पंजीकरण कर प्रक्रिया की पूरी जानकारी दी।उपकेन्द्र शुकुलपुर के अधिकारियों ने बताया कि योजना का मकसद उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत प्रदान करना और बिजली बिल भुगतान प्रक्रिया को सरल बनाना है। जिन उपभोक्ताओं पर बकाया था, उन्हें विशेष छूट और किस्त सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में पंजीकरण की संख्या और बढ़ने की संभावना है, क्योंकि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में योजना को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे समय रहते योजना का लाभ उठाकर अपनी बिजली बिल संबंधी परेशानियों से छुटकारा पाएं।कैंप में विभागीय कर्मचारी आलोक सिंह, राजेश प्रजापति, अजय पाल, एजाज (बड़े बाबू) और अमर सिंह मौजूद रहे। कैंप में बढ़ती भीड़ और सक्रियता को इस योजना की सफलता का संकेत माना जा रहा है।

नीलगाय और आवारा पशुओं के आतंक से परेशान किसान, फसलें बर्बाद–आर्थिक संकट गहराया

सत्य सवेरा, संवाददाता/अमेठी। तहसील क्षेत्र के किसान नीलगाय और आवारा पशुओं के बढ़ते उत्पात से गंभीर संकट में हैं। ब्लॉक मुख्यालय से लेकर प्रतापगढ़ सीमा तक, खासकर नदी के किनारे बसे गांवों में फसलों को बर्बाद करने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। किसानों का कहना है कि नीलगाय के झुंड कुछ ही मिनटों में कई बीघे हरी–भरी फसलों को चौपट कर देते हैं।फसलों को बचाने के लिए किसान बांस–बल्ली से बेरीकेडिंग कर रहे हैं, लेकिन आवारा पशुओं के आगे यह भी नाकाफी साबित हो रहा है। सांड और अन्य पशु बेरीकेडिंग तोड़कर आसानी से खेतों में घुस जाते हैं और गेहूं, चना, मसूर, सरसों, आलू, अरहर और सब्जियों जैसी प्रमुख फसलें नष्ट हो जाती हैं। किसानों के लिए अपनी मेहनत की कमाई को बचाना लगातार मुश्किल होता जा रहा है।संग्रामपुर क्षेत्र के भवसिंहपुर, संग्रामपुर, उत्तरगांव, बेलखरी, कसारा, पतापुर, जरौटा, तिवारीपुर, रानीपुर,

पूरे भिच्छुक मिश्र और धोएं सहित कई गांवों के किसान इस समस्या से जूझ रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार रात में नीलगाय खेतों में फसलें चर जाती हैं, वहीं दिन के समय आवारा सांड खेतों को रौंद देते हैं।लगातार हो रहे फसल नुकसान से किसानों की आर्थिक स्थिति तेजी से बिगड़ रही है। चौबीसों घंटे खेतों की रखवाली के बावजूद वे उपज को बचाने में असमर्थ हैं। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि नीलगाय और आवारा पशुओं के आतंक को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि उनकी आजीविका सुरक्षित रह सके।

नीलगाय की टक्कर से डायल 112 सिपाही घायल

सत्य सवेरा, संवाददाता।/अमेठी। थाना संग्रामपुर क्षेत्र में डायल 112 पर तैनात सिपाही वीरेंद्र यादव रात में ड्यूटी से लौटते समय सड़क हादसे का शिकार हो गए। जानकारी के अनुसार बुधवार रात लगभग 8 बजे वह संग्रामपुर से अमेठी लौट रहे थे। जैसे ही उनकी मोटरसाइकिल जरौटा पानी टंकी के पास पहुँची, तभी अचानक सड़क पार कर रही नीलगाय उनकी बाइक से टकरा गई।टक्कर इतनी तेज थी कि नीलगाय का पिछला पैर बाइक के आगे वाले पहिए से भिड़ गया, जिससे सिपाही सड़क पर गिर पड़े और उनकी कमर में गंभीर चोट आ गई। दुर्घटना में उनकी मोटरसाइकिल भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घायल सिपाही को तुरंत अमेठी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहाँ उनका उपचार जारी है।सिपाही वीरेंद्र यादव ड्यूटी समाप्त कर मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि सामने से एक बोलेरो आ रही थी और उसी दौरान नीलगाय अचानक सड़क पर छलांग लगा दी, जिससे वे संभल नहीं सके। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

उत्तर प्रदेश में चल-अचल संपत्तियों का ब्योरा न देने वाले सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को पदोन्नति नहीं मिलेगी

सत्य सवेरा संवाददाता लखनऊ उत्तर प्रदेश

मुख्य सचिव एसपी गोयल की ओर से जारी आदेश के अनुसार कर्मियों को चल–अचल संपत्तियों का ब्योरा 31 जनवरी 2026 तक देना अनिवार्य कर दिया हैनिर्धारित तिथि तक जानकारी न देने वालों के नाम 1 फरवरी से होने वाली पदोन्नति में शामिल नहीं किए जाएंगे

वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आज

सत्य सवेरा संवाददाता/सुल्तानपुर । शहीद खुदीराम बोस के जन्मदिन एवं आजाद समाज सेवा समिति के वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आज। शहर के तिकोनिया पार्क में आज आएंगे आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता/राज्यसभा सांसद संजय सिंह।एक हजार अति निर्धन लोगों को दिए जाएंगे निःशुल्क कंबल। स्कूल जाने के लिए 100 बेटियों को साइकिल और 80 कामगीरों को दिए जाऐंगे सिलाई मशीन। शहर के तिकोनिया पार्क परद्द लगनेद्द लगा जमावड़ा। जिला अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह ने दी जानकारी।

अधिवक्ता से बदसलूकी व छिनैती का आरोपी टैक्सी स्टैंड संचालक काजिम हुसैन गिरफ्तार

सत्य सवेरा संवाददाता /सुलतानपुर। अधिवक्ता से बदसलूकी व छिनैती का आरोपी टैक्सी स्टैंड संचालक काजिम हुसैन को गिरफ्तार कर सीजेएम कोर्ट में किया गया पेश। प्रभारी सीजेएम शुभम वर्मा ने जेल भेजने का दिया आदेश। वकीलों के आक्रोश को देख विवाद के डर से कोर्ट टाइम के बाद देर शाम पुलिस ने पेश किया रिमांड। रिमांड के दौरान कोर्ट परिसर में आरोपी के करीबी रहे मौजूदकोतवाली पुलिस ने कल यानी बीते सोमवार की देर रात काजिम व उसके अज्ञात साथियों के खिलाफ दर्ज की थी एफआईआर। मुखबिर की सूचना पर आज शाम 05रू05 बजे पंचरास्ता रेलवे क्रासिंग के पास से काजिम को गिरफ्तार करने का पुलिस ने किया है दावा। फिलहाल छीने गए रुपयों की पुलिस अभी नहीं कर पाई है बरामदगी,तीन आरोपियो की गिरफ्तारी व बरामदगी शेषबार अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह व महासचिव दिनेश कुमार दूबे की सक्रियता से अधिवक्ता समर बहादुर सिंह के मामले में एफआईआर दर्ज होने से 24 घण्टे के भीतर मुख्य आरोपी हुआ गिरफ्तार। बीते 25 नवम्बर को एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने जाते वक्त अधिवक्ता के साथ हुई थी घटना। मनबढ़ काजिम को अधिवक्ता से भिड़ना पड़ा भारी,नहीं काम आई संरक्षणदाताओं की यारी,पहुँचा सलाखों के पीछे।

तलाशी के दौरान बैग से मिले 5 कारतूस

सत्य सवेरा संवाददाता /मेरठ – जेल पर मिलाई करने पहुंचे युवकों से कारतूस बरामदजेल के गेट पर तलाशी के दौरान बैग से मिले 5 कारतूसबैग के अंदर फलों के बीच में छुपाये गए थे 5 कारतूस हिस्ट्रीशीटर तक कारतूसों को पहुंचाने की गई थी प्लानिंगहिस्ट्रीशीटर नवनीत उर्फ मीनू टिमकिया से मिलने पहुंचे थे कुख्यात योगेश भदौडा का शूटर है नवनीत उर्फ मीनू टिमकिया हिस्ट्रीशीटर मीनू पर 30 से ज्यादा लूट,हत्या,रंगदारी के केस हिस्ट्रीशीटर मीनू की बैरक बदली, 24 घंटे निगरानी का आदेशकारतूस ले जाने वाले परमेन्द्र जाट, सुदेश यादव हिरासत मेंदोनों आरोपियों से पुलिस कर रही गहनता से पूछताछ।

सचिवों ने काली पट्टी बांध कर ऑनलाइन हाजिरी का किया विरोध

हरख बाराबंकी। शासन द्वारा जबरन ग्राम सचिवों ऑनलाइन हाजिरी ग्राम पंचायतों में पहुंच कर लगाने के आदेश दिए हैं। जिसको लेकर बुधवार को हरख ब्लाक में तैनात ग्राम सचिवों ने तीसरे दिन भी अपने हाथों में काली पट्टी बांध कर विरोध जताया। प्रदेश व जिले भर में भी ग्राम पंचायत अधिकारी व ग्राम विकास अधिकारी संघ के संगठन द्वारा ऐसा किया जा रहा है। संगठन के ब्लाक अध्यक्ष नवीन राय ने बताया कि अगर सचिवों की ऑनलाइन हाजिरी शासन द्वारा नही हटाई जाएगी। तो चार दिसंबर तक सचिवों अपने हाथों में काली पट्टी बांधकर संख्याकि विरोध दर्ज कराएंगे। उसके बाद अगर मांग नही मानी गई तो पांच दिसंबर को पूरे प्रदेश भर के साचिव अपने अपने शासाकीय वाट्सएप् ग्रुप से बाहर हो कर धरना के माध्यम से सत्याग्रह आंदोलन करेंगे। और अगर उसके बाद सचिवों पर ऑनलाइन हाजिरी के लिए दबाव डाला जाएगा तो सचिव अपना अपना डोंगल जमा कर देंगे। सोमवार को एक साथ हरख ब्लाक में तैनात सभी सचिवों ने काली पट्टी अपने हाथों में बांध कर विरोध जताया। इस अवसर पर सचिब बृजेश कुमार, .ष्ण कुमार सिंह, नवीन राय, शामिल थी।

सेक्स–शराब के रुपए मांगे तो महिला को मार डाला

लखनऊ। लखनऊ के गोमती नगर में सोमवार (1 दिसंबर) को हुई महिला की हत्या सेक्स और शराब के रुपए मांगने पर की गई थी। पुलिस ने बुधवार को विनीत खंड इलाके से दो युवकों को गिरफ्तार कर हत्या का खुलासा किया। आरोपियों ने महिला को मारने के बाद उसके शव को ई–रिक्शा पर लादकर रिटायर्ड पी के घर के बाहर पार्क की दीवार से सटाकर बैठा दिया था।डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह ने बताया पुलिस टीमों ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। आस–पास के लोगों और संदिग्धों से पूछताछ की। मेनुअल इनपुट, आउटपुट सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर देवेन्द्र सिंह (24) और सूरज पाल (24) को गिरफ्तार किया। देवेन्द्र कानपुर और उसका दोस्त राम स्वरुप गोमती नगर के विशाल खंड दो पानी की टंकी के रहने वाले हैं।लखनऊ के गोमतीनगर में सोमवार को रिटायर्ड पी के घर के बाहर अजीब ढंग से रखा

हुआ महिला का शव मिला था। शव को सड़क के किनारे नाली के ऊपर दीवार के सहारे रखा गया था। आने–जाने वाले लोगों को घंटों तक यही लगता रहा कि कोई महिला बैठी है। जब वह दोपहर तक अपनी जगह से हिली नहीं तो पुलिस को सूचना दी गई थी।पुलिस पहुंची तो पता चला कि वह किसी महिला की डेडबॉडी है। शरीर पर चोट के कई निशान थे। पूरे शरीर पर घसीटने की वजह से मिट्टी लगी हुई थी। पैरों में भी पकड़ने के निशान बने थे। महिला अलीगंज सेक्टर– बी की रहने वाली थी।अभियुक्त देवेन्द्र ने पूछताछ में बताया कि सोमवार रात 8 बजे अपने ई–रिक्शा से नवाब पुरवा ठेके पर शराब लेने गया था। रेलवे स्टेशन गोमती नगर के पास महिला ने हाथ देकर रोका और ई रिक्शा में बैठ गई। रास्ते में उसने शारीरिक संबंध बनाने की बात कही। उसने कहा– हमको शराब पिलाओगे, तो साथ चलूंगी।यह बात मैंने अपने दोस्त सूरज को फोन कर बताई। सूरज ने कहा ठीक है, ले आओ। इस पर महिला को सूरज की झोपडी विशाल खंड 2 लेकर गया। हम तीनों ने शराब पी, संबंध बनाए। इसके बाद महिला पैसे मांगने लगी। हंगामा शुरू कर दिया। आसपास रिहायशी एरिया होने के कारण हम लोगों को गुस्सा आ गया।गुस्से में हम दोनों ने उसे धक्का दे दिया, जिससे उसका सिर पीछे रखे तख्ते में लड़ गया। महिला बेहोश हो गई। कुछ देर बाद वह नहीं उठी, तो हम लोग डर गए। हम लोग अधिक रात होने का इंतजार करने लगे। रात 3 बजे हिलाकर देखा तो उसके शरीर में कोई हरकत नहीं हुई। हम दोनों ने ई–रिक्शा में डाला और विशाल खंड के मकान के पास दीवार से सटा कर रख दिया। उसके बाद फरार हो गए।देवेंद्र ने बताया– हम दोनों शराब के नशे में थे। ई–रिक्शा में बैठ कर 200 मीटर दूर एक जगह बैठा दिया था। उम्मीद थी जब होश आएगा तब वह घर चली जाएगी। हालांकि सुबह उसकी मौत की खबर से हम लोग घबराकर भाग गए।

निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र निर्माण के लिए संस्कारों से युक्त एक पीढ़ी तैयार करना :अवधेश मिश्र

प्रयागराज। विद्या भारती से संबद्ध काशी प्रांत के रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज राजापुर प्रयागराज में विद्या भारती योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष होने वाले वार्षिक शैक्षिक निरीक्षण के क्रम में विद्यालय का वार्षिक निरीक्षण विद्यालय के प्रधानाचार्य बांके बिहारी पाण्डेय के मार्गदर्शन में सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज झारखंड कादीपुर सुलतानपुर से आए हुए निरीक्षकों की टोली के प्रमुख प्रधानाचार्य अवधेश मिश्र एवं उनके सहयोगीगण के द्वारा आज 3 दिसंबर से वंदना सत्र से प्रारंभ हुआ जो कि 5 दिसंबर तक चलेगा। विद्यालय के संगीताचार्य एवं मीडिया प्रभारी मनोज गुप्ता ने बताया कि मां सरस्वती जी की वंदना के पश्चात विद्यालय के आचार्य सत्य प्रकाश पाण्डेय ने प्रधानाचार्य अवधेश मिश्र सहित उनके साथ उनकी टोली में आए हुए निरीक्षकों मनोज ओझा प्रवक्ता गणित, जटाशंकर तिवारी प्रवक्ता

रसायन विज्ञान, कृष्णदेव सिंह प्रवक्ता हिंदी एवं विपनेंद्र सिंह कार्यालय प्रमुख का परिचय कराया तत्पश्चात विद्यालय के प्रधानाचार्य बांके बिहारी पाण्डेय एवं छात्र सांसद, कन्या भारती एवं शिशु भारती के पदाधिकारियों ने आए हुए निरीक्षकों का स्वागत अंगवस्त्रम से किया स इस अवसर पर भैया बहनों को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्य अवधेश मिश्र ने बताया कि विद्या भारती प्रांतीय निरीक्षण एक प्रक्रिया है जिसमें क्षेत्रीय और प्रांतीय स्तर पर संस्था के प्रतिनिधि, शैक्षणिक दिशा, संगठनात्मक नीति और भावी योजनाओं का निर्धारण करते हैं, ताकि शिक्षा को भारतीय मूल्यों और संस्कृति के अनुरूप बनाया जा सके। यह निरीक्षण विद्या भारती की साधारण सभा के माध्यम से होता है, जो संस्था की सर्वोच्च नीति– निर्धारण और मार्गदर्शक इकाई है। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षा में भारतीय मूल्यों और संस्कृति को स्थापित करना और राष्ट्र निर्माण के लिए संस्कारों से युक्त एक पीढ़ी तैयार करना है। निरीक्षक बंधुओं ने तीन दिवसीय विद्यालय निरीक्षण के क्रम में प्रथम दिन शैक्षिक, वित्तीय, अनुशासन, विद्यालय परिवेश, संसाधनों आदि का सूक्ष्म निरीक्षण करते हुयें विद्यालय की मातृ भारती एवं पुरातन छात्रों के साथ बैठक की। निरीक्षण के क्रम में आगामी दो दिनों में निरीक्षक बंधु विभिन्न विभागों तथा उनकी पंजी का निरीक्षण करते हुये छात्र सांसद, कन्या भारती, संस्कार केन्द्र, प्रबन्ध समिति एवं आचार्य परिवार के साथ बैठक करेंगे।

सब्जी के छिलके से बनेगी सीएनजी

यूपी का पहला प्लांट बनेगा, नगर निगम कचरा और गोबर बेचकर हर साल कमाएगा 1.50 करोड़

लखनऊ। लखनऊ में घर की रसोई से निकलने वाले कचरे, सब्जी और फसलों के अवशेष से बायो ब्छळ बनाई जाएगी। यह ईंधन मार्केट रेट से 5: सस्ता होगा। इससे पब्लिक ट्रांसपोर्ट की गाड़ियां चलाई जाएंगी, जिससे पॉल्यूशन कंट्रोल होगा। गोबर स्टोर करने की समस्या का स्थायी समाधान होगा। लोगों को रोजगार मिलेगा और नगर निगम को करीब 1.50 करोड़ रुपए की हर साल इनकम होगी।नगर निगम जल्द ही बायो ब्छळ प्लांट का निर्माण शुरू करेगा। इसके लिए राज्यपाल आनंदी बेन पटेल को पत्र लिखकर भूमि पूजन का न्योता दिया गया है। जनवरी 2027 से सीबीजी–बॉयो फर्टीलाइजर प्लांट का संचालन शुरू करने का लक्ष्य है। यह प्रदेश का ऐसा पहला प्लांट होगा।जेबीएम इनवायरो बायोदृ एनर्जी लखनऊ कम्प्रेस्ड बायो गैस और बायोदृफर्टिलाइजर उत्पादन प्लांट का 7.5 एकड़ में निर्माण करेगा। इसके लिए नगर निगम ने 20 साल के लिए लीज पर जमीन दी है।प्लांट का पीपीपी मॉडल पर निर्माण होगा। इसमें नगर निगम की तरफ से पूंजी नहीं लगाई जा रही। प्लांट में हर दिन करीब 150 टन गोबर कान्हा गोशाला सहित शहर की अन्य गोशाला से लाया जाएगा। फिलहाल कान्हा गोशाला में 10 हजार गोवंश हैं। यहां के गोबर निस्तारण की समस्या का हल होगा।घर की रसोई से निकलने वाले कचरे और फसलों के अवशेष से भी बायो सीएनजी बनाई जाएगी। इसे संबंधित संस्था खुद ही खरीदेगी। यह सब्जी मंडी सहित किसानों और अन्य जगहों से खरीदा जाएगा। 10 टन बायो सीएनजी बनाने के लिए एक दिन में 200 टन गोबर, कचरा और फसलों के अवशेष लगेंगे।नगर निगम के पर्यावरण अभियंता संजीव प्रधान ने बताया– यहां से प्रतिदिन निकलने वाली गैस मार्केट रेट से 5 फीसदी सस्ती होगी। ईंधन में इस्तेमाल होने के बाद बचने वाला अवशेष जैविक खाद के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। संस्था की तरफ से इसे किसानों को बेचा जाएगा, ताकि सस्ते रेट पर उन्हें खाद मिल सके। शहर की स्वच्छता बढ़ेगी। पर्यावरण संरक्षण को

कचरे से कमाल !

भी बल मिलेगा।80 करोड़ रुपए की लागत से पूरी परियोजना को पूरा किया जाएगा। नगर निगम की तरफ से इसकी जमीन भी चिह्नित कर दी गई है। अमौसी, तहसील सरोजिनी नगर में यह प्लांट बनाया जाएगा। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के समय देने के बाद इसका भूमि पूजन किया जाएगा।इससे ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में शहर को बड़ी सफलता मिलेगी। इंदौर और चंडीगढ़ में पहले से यह प्रयोग सफल रहा है। इसी आधार पर अब शहर में इस परियोजना को शुरू किया जा रहा है।नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बताया– ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने, गोबर की समस्या का निस्तारण करने और पर्यावरण संरक्षण की मुहिम के लिए यह परियोजना महत्वपूर्ण है। इससे शहर में लोगों को सहूलियत मिलेगी। हर दिन 10 टन सीएनजी का उत्पादन होगा।

यूपी में बसें बढ़ रहीं, ड्राइवर घट रहे

यूपी। उत्तर प्रदेश रोडवेज की बसें शहर की सड़कें नाप रही हैं, लेकिन उन्हें चलाने वाले हाथ तेजी से कम होते जा रहे हैं। हालत यह है कि लखनऊ में रोडवेज को योग्य चालक नहीं मिल रहे हैं। संविदा भर्ती के लिए 120 पद निकाले गए। दो दिन चले रोजगार मेले में सिर्फ 40 का चयन हो पाया। बाकी पद फिर खाली रह गए। ऐसा पिछले तीन साल से लगातार होता आ रहा है।अवध बस अड्डे पर सोमवार से लगा दो दिवसीय रोजगार मेला उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। पहले दिन सिर्फ 25 और दूसरे दिन 18 उम्मीदवार पहुंचे, जिनमें से दो दस्तावेजों में ही फेल हो गए। कई तो ड्राइविंग टेस्ट तक देने नहीं आए। दूसरे दिन संख्या बढ़ी जरूर, लेकिन कुल मिलाकर 120 पदों में से केवल 40 पद ही भर पाए। अधिकारियों का कहना है कि पिछले तीन साल में भी भर्ती बार–बार निकलने के बावजूद ड्राइवर नहीं मिल रहे हैं।रोजगार मेले में आए कई उम्मीदवारों ने ऑफ कैमरा बात की। उन्होंने कहा कि "घर की हालत खराब है, इसलिए आए हैं। वरना रोडवेज की संविदा नौकरी में न सुरक्षा, न सही कमाई। किसके भरोसे आएं?" अभ्यर्थियों ने बताया कि रोडवेज की बसें पुरानी हैं। ब्रेकडाउन का जिम्मा ड्राइवर पर आता है।ट्रैफिक और यात्रियों का दबाव अलग रहता है। ऊपर से कम पारिश्रमिक मिलता है। ऐसे में सरकारी बस चलाना फायदे का सौदा नहीं है।

अधिकारियों का कहना है कि पिछले तीन साल में भी भर्ती बार–बार निकलने के बावजूद ड्राइवर नहीं मिल रहे हैं।

क्यों नहीं चलाना चाहते ड्राइवर सरकारी बस... जाने पांच बड़ी वजहें.

1. कम भुगतान, मेहनत तीन गुनी

रोडवेज संविदा चालक को सिर्फ 2.06 रुपए प्रति किलोमीटर मिलते हैं। अगर बस कम चल गई तो कमाई भी आधी हो जाती है। एक उम्मीदवार ने बताया कि निजी सेक्टर में तय वेतन और कम दबाव होने से ड्राइवर उधर जाना पसंद करते हैं।

2. असुरक्षा

नौकरी स्थायी नहीं। किसी भी समय संविदा खत्म कर दी जाती है। उम्मीदवार कहते हैं "सरकारी बस चलाते हैं, लेकिन नौकरी हमारी सरकारी नहीं। यही सबसे बड़ा डर है।"

3. पुरानी बसें, रोज की तकनीकी दिक्कतें

कई रूटों पर चलने वाली बसें खराब हालत में हैं। ड्राइवरों को ब्रेकडाउन का जिम्मा उठाना पड़ता है और परेशानी झेलनी पड़ती है। जोखिम बढ़ता है, जिम्मेदारी भी।

4. यात्रियों, ट्रैफिक और दबाव का 'कॉकटेल'

लखनऊ में रोजाना तेज ट्रैफिक, भीड़, यात्रियों की शिकायतें और कभी–कभी झगड़ा ये सब ड्राइवर की ड्यूटी को तनावपूर्ण बना देते हैं। निजी सेक्टर में माहौल अपेक्षा कृत हल्का माना जाता है।

5. निजी ट्रांसपोर्ट में बेहतर कमाई

ओला–उबर से लेकर टूरिस्ट है।

9 डिग्री पहुंचा लखनऊ का न्यूनतम पारा

लखनऊ। लखनऊ में तड़के सुबह से धुंध छाई रही। इसके बाद मौसम साफ हो गया है। तेज धूप निकली है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज राजधानी लखनऊ का अधिकतम तापमान 26 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री के आसपास दर्ज किया जाएगा। मंगलवार को अधिकतम तापमान 25.7 डिग्री रहा। न्यूनतम तापमान 9 डिग्री रहा। यह सामान्य से 1 डिग्री कम रहा।लखनऊ में सुबह के समय 6 मॉनिटरिंग स्टेशनों का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 196 है। तालकटोरा औद्योगिक क्षेत्र 264, लालबाग 219 और अलीगंज 210 रहा। गोमती नगर 187, अंबेडकर यूनिवर्सिटी 185 और कुकरैल पिकनिक स्पॉट का फ 185 के साथ मॉडरेट लेवल में यलो जोन में बना हुआ है। मंगलवार को लखनऊ का औसत एक्यूआई#185 के साथ में मॉडरेट लेवल में रहा।लखनऊ में इस बार ठंड सामान्य से ज्यादा सर्द रहने के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक नवंबर के दौरान प्रदेश का औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से करीब 1–2 डिग्री सेल्सियस कम रहा, जबकि अधिकतम तापमान में भी 1–3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि है कि भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में ला नीना परिस्थितियां अभी कमजोर होते हुए भी बनी हुई हैं और साथ ही हिंद महासागर

का नकारात्मक इंडियन ओशन डाइपोल तटस्थ स्थिति की ओर बढ़ रहा है।इन दोनों मौसमीय प्रणालियों के संयुक्त प्रभाव से दिसंबर से फरवरी के बीच प्रदेश के बड़े हिस्से में औसत तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, पूर्वांचल के दक्षिणी हिस्से को छोड़कर प्रदेश के ज्यादातर भागों में शीतलहर के दिनों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हो सकती है। जहां प्रदेश में औसत 4 से 6 दिन शीतलहर का रहता है, वहीं इस बार कई जिलों में शीतलहर के दिन इस औसत से 2 से 5 दिन तक अधिक रिकॉर्ड हो सकते हैं।

शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक योगदान सराहनीय- चौधरी

जिला संवाददाता

गाजियाबाद। के0आर0 मंगलम् वर्ल्ड स्कूल में वार्षिक उत्सव 'युगांत–परिवर्तन की ओर' बड़े ही भव्य और गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एडिशनल कमिश्नर केशव कुमार चौधरी ने पारंपरिक दीप प्रज्वलन कर किया, जिसके साथ ही सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना, वाद्यदृसंगीत और मंच की आकर्षक सज्जा ने पूरे माहौल को सांस्कृतिक ऊर्जा से भर दिया। चौधरी ने अपने संबोधन में विद्यालय के शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक योगदान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में नेतृत्व क्षमता, टीम वर्क और भारतीय मूल्यों के प्रति सम्मान का विकास होता है और गाजियाबाद जैसे तेजी से विकसित हो रहे शहर में यह प्रयास अत्यंत प्रेरणादायी है। दीप प्रज्वलन के बाद रंगारंग प्रस्तुतियों का सिलसिला शुरू हुआ जिसमें भारतीय शास्त्रीय नृत्य, योगदृप्रदर्शन, सामाजिक परिवर्तन पर आधारित नाट्य मंचन, तकनीक और नई पीढ़ी की भूमिका को दर्शाती प्रस्तुति तथा भारतीयदृ पाश्चात्य फ्यूजन नृत्य ने दर्शकों का मन मोह लिया।

लखनऊ में उम्मीद पोर्टल का समय बढ़ाने की मांग

लखनऊ। लखनऊ में शिया धर्मगुरु मौलाना सैफ अब्बास ने उम्मीद पोर्टल की सर्विस ठप होने पर चिंता जताई । मौलाना ने पीएम मोदी और अल्पसंख्यक केन्द्रीय मंत्री को पत्र लिखा। मौलाना ने कहा कि पिछले कई दिनों से उम्मीद पोर्टल का सर्वर डाउन है जिसकी वजह से लोग चाह कर भी अपनी संपत्तियों को ऑनलाइन दर्ज नहीं करवा पा रहे हैं इसलिए सरकार को पोर्टल पर वक्फ संपत्ति दर्ज करने कि समय सीमा को बढ़ाना चाहिए। हम लोग खुद देख रहे हैं कि इसकी पूरी वेबसाइट हैंग हो गई है । लोग घंटों बैठे रहते हैं और एक भी संपत्ति ऑनलाइन नहीं चढ़ पाती। ऐसा लगता है की साइड क्रैश हो गई है और कई दिनों से काम नहीं हो पा रहा है। सुप्रीम कोर्ट से भी कोई राहत नहीं मिली है।हमने केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्री को पत्र लिखकर मांग किया है कि अगर सरकार वक्फ हित में काम कर रही है तो अंतिम तिथि 5 दिसम्बर को बढ़ाया जाए।

मौलाना ने कहा कि विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में और अधिक दिक्कत हो रही है जहां इंटरनेट सही काम नहीं करता। इन्होंने कहा कि अगर कुछ समय और मिल जाएगा तो उम्मीद पोर्टल पर सभी वक्फ रजिस्टर्ड हो जाएंगे। इन्होंने कहा कि शुरुआती दिनों में लोगों के अंदर जागरूकता और जानकारी नहीं थी बाद में जब लोग जागरूक हुए तो पोर्टल ठप हो गया। हम चाहते हैं

आम्रपाली दुबे का खास अवतार, बहुरानी के रोल में दिखीं अभिनेत्री

अभिनेत्री आम्रपाली दुबे और दिनेश लाल यादव ने साथ में कई फिल्मों में काम किया है। फैंस भी उन्हें स्क्रीन पर साथ में देखना पसंद करते हैं। दोनों फिल्म निरहुआ हिंदुस्तानी में पहली बार साथ में नजर आए थे। मंगलवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह फिल्म के मशहूर गाने लाखों में एक बहुरानी पर शानदार एक्सप्रेशन देती दिखीं। वीडियो में अभिनेत्री पारंपरिक लुक में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। अभिनेत्री गोल्डन रंग की साड़ी, माथे पर बिंदी, मांग में सिंदूर और गले में मंगलसूत्र पहने सजी–धजी बहुरानी के रोल में पूरी तरह फिट बैठ रही हैं। उनके हाव–भाव और अदाएं फैंस को दीवाना बना रही हैं। उन्होंने वीडियो पोस्ट कर लिखा, बहुरानी। इस फिल्म से ही अभिनेत्री ने भोजपुरी इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। फिल्म के रिलीज के बाद अभिनेत्री रातों रात स्टार बन गई थीं। साल 2014 में रिलीज हुई फिल्म निरहुआ हिंदुस्तानी में उनकी और निरहुआ की केमिस्ट्री को दर्शकों ने इतना पसंद किया कि यह जोड़ी भोजपुरी की सबसे हिट जोड़ी बन गई। फिल्म की कहानी एक ऐसे व्यक्ति की है, जो अपने सपनों की राह खोजने के लिए मुंबई जाता है, जहां पर वह एक जाल में फंस जाता है और उस पर सीरियल किलर होने का आरोप लगाया जाता है। अपनी अंतिम इच्छा के रूप में, वह एक अमीर लड़की, सोना (आम्रपाली दुबे), से शादी करने का प्रस्ताव रखता है, जो उसे टीवी पर देखती है और शादी करने का फैसला करती है। इसके बाद फिल्म के तीन सीक्वल और बने थे। साल 2017 में निरहुआ हिंदुस्तानी 2 और 2018 में निरहुआ हिंदुस्तानी 3 रिलीज की गई थी और आखिरी सीक्वल निरहुआ हिंदुस्तानी 3 साल 2024 में रिलीज किया गया था। दर्शकों ने फिल्म को बेहद पसंद किया था।

आर्यन खान ने आईएमडीबी में रचा इतिहास, 2025 के सबसे कम उम्र के बने इकलौते वेब सीरीज डायरेक्टर!

आर्यन खान ने इस साल फिल्म इंडस्ट्री में अपना मच अवेटेड डेब्यू किया। बाकी स्टार किड्स से अलग आर्यन ने एक एक्टर बनने के बजाय, अलग रास्ता चुना और कैमरे के पीछे जाकर अपनी फिल्ममेकिंग की सोच और जुनून दिखाया। काफी इंतजार के बाद उनकी डेब्यू वेब सीरीज द बैंड्स ऑफ बॉलीवुड सितंबर में रिलीज हुई। इस सीरीज ने आर्यन की तीखी कहानी कहने की स्टाइल, दमदार किरदार और ड्रामा व ह्यूमर के बेहतरीन मेल को शानदार तरीके से दिखाया। उनकी मेहनत, क्रिएटिविटी और डेडिकेशन का अब पूरा फल मिल गया है। आर्यन खान ने एक शानदार उपलब्धि हासिल की है, दरअसल द बैंड्स ऑफ बॉलीवुड के लिए वे आईएमडीबी की टॉप 10 डायरेक्टर्स ऑफ 2025 लिस्ट में शामिल होने वाले सबसे कम उम्र के डायरेक्टर और इकलौते वेब–सीरीज डायरेक्टर बन गए हैं। अपने पहले ही प्रोजेक्ट में ऐसी उपलब्धि पाना वाकई कमाल है और यह साफ दिखाता है कि यह उभरता हुआ फिल्ममेकर आगे कितनी बड़ी उड़ान भरने वाला है। द बैंड्स ऑफ बॉलीवुड ने रिलीज होते ही कई बड़े मुकाम हासिल किए। सीरीज ने नेटफ्लिक्स इंडिया पर लगातार हफ्तों तक नंबर 1 पर ट्रेंड किया, और इसकी सफलता सिर्फ देश तक ही नहीं रही। यह दुनियाभर में भी खूब चली, कई देशों में नंबर 1 पर पहुंची और नेटफ्लिक्स की ग्लोबल नॉन–इंग्लिश टॉप 10 लिस्ट में भी शामिल हुई। इसके साथ ही, सीरीज का मोशन पोस्टर न्यूयॉर्क के मशहूर टाइम्स स्क्वायर बिलबोर्ड पर भी दिखा, जो आर्यन और पूरी टीम के लिए गर्व का पल था। आर्यन खान की ये पहली सीरीज सिर्फ चर्चाओं में ही नहीं रही, बल्कि जबरदस्त असर छोड़ गई, और ये साबित कर दिया कि वह एक ऐसे युवा डायरेक्टर हैं जिनमें ग्लोबल लेवल पर भी आगे बढ़ने की पूरी क्षमता है। द बैंड्स ऑफ बॉलीवुड को आर्यन खान ने लिखा और डायरेक्ट किया है, और इसे गौरी खान ने रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया है। इस सीरीज में लक्ष्य लालवानी, बॉबी देओल, मोना सिंह, राघव जुयाल, आन्या सिंह, मनोज पाहवा, मनीष चौधरी, सहेर बंबा, गौतमी कपूर, रजत बेदी और कई अन्य कलाकारों की शानदार टीम नजर आती है।

बस कुछ ही मिनट दूरी पर रहती थीं हेमा और प्रकाश, लेकिन कभी नहीं मिली राहें

धर्मेंद्र की निजी जिंदगी हमेशा चर्चा में रही है। उन्होंने दो शादियां कीं पहली पत्नी प्रकाश कौर और दूसरी हेमा मालिनी। दिलचस्प बात यह है कि धर्मेंद्र की दोनों पत्नियां वर्षों तक एक–दूसरे के बेहद करीब, सिर्फ कुछ मिनट की दूरी पर रहती थीं, फिर भी कभी आमने–सामने नहीं आईं। उनकी यह दूरी सम्मान, संवेदनशीलता और रिश्तों की समझ पर आधारित थी।1954 में, जब धर्मेंद्र सिर्फ 19 साल के थे, उन्होंने पंजाब में प्रकाश कौर से शादी कर ली थी। तब वे फिल्मों से बहुत दूर, एक साधारण जिंदगी जी रहे एक नौजवान थे। 1959 में फिल्मफेयर टैलेंट हंट जीतने के बाद उनके जीवन की दिशा पूरी तरह बदल गई। फिर 1960 में 'दिल भी तेरा हम भी तेरे' से डेब्यू मिला और देखते ही देखते उनका करियर तेजी से आगे बढ़ने लगा। प्रकाश और धर्मेंद्र के चार बच्चे हुए सनी देओल, विजेता, अजीता और बॉबी देओल।हेमा से मुलाकात और रिश्ता जो परदे से दिल तक पहुंच गया1970 में फिल्म 'तुम हसीन मैं जवां' ने सब बदल दिया। हेमा मालिनी और धर्मेंद्र की ऑन–स्क्रीन जोड़ी इतनी मशहूर हुई कि उनके प्यार की चर्चाएं वास्तविक दुनिया में भी बढ़ने लगीं। 70 का दशक गुजरा और दोनों ने साथ में कई हिट फिल्में कीं सीता और गीता, नया जमाना, जुगनू, दोस्त और शोले जैसी फिल्में लोगों के दिलों में बस गईं। इन फिल्मों के दौरान दोनों के बारे में अफवाहें और बहसें होती रहीं। कहा गया कि धर्मेंद्र ने 'शोले' में वीरू का रोल इसलिए लिया ताकि वे हेमा के करीब रह सकें।

आमिर खान की नई फिल्म 'हैप्पी पटेल' का एलान, लीड रोल में वीर दास–मोना सिंह आएंगे नजर

आमिर खान प्रोडक्शंस की अनोखी जासूसी फिल्म हैप्पी पटेल की घोषणा आखिरकार हो ही गई है। यह फिल्म वीर दास के डायरेक्टोरियल डेब्यू को चिन्हित करती है, जैसे इसका टाइटल मजेदार है, वैसे ही अंदाज में रिलीज किया है, जिसमें आमिर बिल्कुल हटके और बेहद मजेदार तरीके से आते हैं कि आखिर वो फिल्म में एक्शन, में दिखाने वाले हैं। आमिर को लगातार यह रिस्पॉन्स देंगे, जबकि उसी समय वीडियो में उनकी बातचीत का यह मजेदार कंट्रास्ट इतना तो पक्का है कि एक बिल्कुल सबसे खास बात ये है कि आमिर कहानियाँ बड़े ही सलीके से पर, दंगल और सीक्रेट बाद, यह फिल्म भी यूनिक है। दिलचस्प बात ये है कि कॉमेडियन वीर दास के साथ कॉमेडी स्पेशल्स के साथ बल्कि गो गोवा गॉन, जैसी फिल्मों में भी काम का आमिर खान प्रोडक्शंस कोलैबोरेशन है। आमिर हैप्पी पटेल का निर्देशन वीर दास कर रहे हैं और यह फिल्म 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

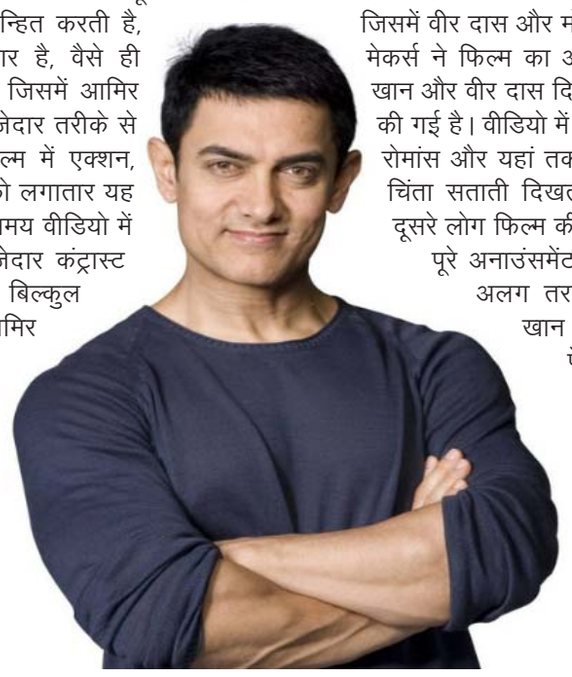

जिसमें वीर दास और मोना सिंह लीड रोल्स में नजर आएंगे। मेकर्स ने फिल्म का अनाउंसमेंट वीडियो और भी मजेदार खान और वीर दास दिखाई दे रहे हैं। हैप्पी पटेल की घोषणा की गई है। वीडियो में आमिर खान, वीर दास से पूछते नजर रोमांस और यहां तक कि आइटम नंबर को किस अंदाज चिंता सताती दिखती है कि दर्शक इस सब पर कैसा दूसरे लोग फिल्म की जमकर तारीफ करते नजर आते हैं। पूरे अनाउंसमेंट को बेहद मनोरंजक बना देता है। अलग तरह की सिनेमा आने वाली है। और खान प्रोडक्शंस हमेशा हटकर और अनोखी पेश करता आया है। लगान, तारे जमीन सुपरस्टार जैसी यादगार फिल्मों के सिनेमा दिखाने की एक और कोशिश इस बार वो मशहूर स्टैंड–अप काम कर रहे हैं, जो न सिर्फ अपनी दुनिया भर में परफॉर्म कर चुके हैं, बदमाश कंपनी और दिल्ली बेली कर चुके हैं। यह फिल्म वीर दास के साथ दिल्ली बेली के बाद दूसरा खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी

बैंडिट क्वीन नवाजुद्दीन सिद्दीकी के लिए बेहद खास फिल्म क्यों? अभिनेता ने किया खुलासा

इंडियन फिल्म प्रोजेक्ट (आईएफपी) हर साल कलाकारों, फिल्ममेकर्स और क्रिएटर्स को एक ही मंच पर लाता है। यह आयोजन केवल फिल्मों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि कला, थिएटर, संगीत और साहित्य जैसी विविध रचनात्मक गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करता है। इस साल दर्शकों की संख्या ने इस आयोजन को बेहद खास बना दिया। इस बार आईएफपी का सबसे चर्चित सेशन बिहाइंड द सीन मैं एक्टर नहीं हूं था, जिसमें बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी और फिल्ममेकर–लेखक आदित्य कृपलानी मंच पर एक साथ आए। जब ये दोनों कलाकार मंच पर पहुंचे, तो दर्शकों ने जोरदार तालियों के साथ उनका स्वागत किया। इस सेशन में नवाजुद्दीन ने अभिनय के अनुभव, थिएटर और फिल्मों में काम करने के दृष्टिकोण और करियर की चुनौतियों के बारे में बात की।नवाजुद्दीन ने अपने सेशन में सबसे पहले फिल्मों और थिएटर के बीच के अंतर पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, फिल्मों में कैमरा केवल आपकी हरकतों और छोटे–छोटे व्यवहार को पकड़ता है, जबकि थिएटर में आपको हर भावना, हर भाव और हर क्रिया को पूरी तरह से व्यक्त करना पड़ता है। उदाहरण के लिए, अगर आप हाथ में गिलास पकड़े और उसे हिलाएं, तो फिल्म में कैमरा सिर्फ उस क्रिया को दिखाएगा, लेकिन स्टेज पर आपको उस क्रिया को बोलकर, दिखाकर और पूरी तरह निभाकर पेश करना होता है।उन्होंने कहा, यही वजह है कि मैंने हमेशा थिएटर को अपने लिए बेहद महत्वपूर्ण माना है। अभिनेता ने कहा, थिएटर केवल अभिनय का माध्यम नहीं है, बल्कि यह खुद को समझने और अपनी सीमाओं को पहचानने का एक तरीका भी है। भारत में थिएटर के कई अलग–अलग रूप हैं और हर कलाकार को इन सभी रूपों का अनुभव करना चाहिए। यह अनुभव ही कलाकारों को अधिक संवेदनशील और वास्तविक बनाते हैं, जो उनके अभिनय में साफ दिखाई देते हैं। इस अवसर पर नवाजुद्दीन ने अपनी पसंदीदा फिल्मों में से एक बैंडिट क्वीन के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, यह फिल्म मेरे लिए बेहद खास है, क्योंकि इस फिल्म के अधिकांश कलाकार थिएटर से आए थे।फिल्म बैंडिट क्वीन 1994 में रिलीज हुई थी। यह फूलन देवी के जीवन पर आधारित थी। इस फिल्म का निर्देशन शेखर कपूर ने किया था और इसमें सीमा बिस्वास ने मुख्य भूमिका निभाई थी। यह फिल्म माला सेन की किताब इंडियाज बैंडिट क्वीन द ट्रू स्टोरी ऑफ फूलन देवी पर आधारित थी।

क्या होता है महिलाओं का 16 श्रृंगार, जानें महत्व और इसका सही अर्थ

महिलाओं का श्रृंगार तब तक पूरा नहीं होता जब तक उसमें 16 प्रमुख चीजें शामिल न हों। इसे सोलह श्रृंगार कहा जाता है। यह खासकर शुभ अवसर, तीज–त्योहार और शादी–ब्याह पर किया जाता है। हिंदू ग्रंथों और काव्यों में सोलह श्रृंगार का महत्व बताया गया है। सोलह श्रृंगार न केवल सौंदर्य बढ़ाता है, बल्कि समृद्धि, प्रेम, सुरक्षा, उर्वरता और खुशी का प्रतीक भी माना जाता है। आइए जानते हैं इस श्रृंगार में शामिल 16 चीजों का महत्व।

सिंदूरः शादी के समय वर द्वारा माथे पर लगाया जाने वाला लाल या नारंगी रंग का सिंदूर, विवाहित होने और पति की लंबी आयु का प्रतीक है।

बिंदीः माथे पर लगाई जाने वाली बिंदी, खूबसूरती बढ़ाने के साथ–साथ एकाग्रता और नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा का प्रतीक है।

काजलः आंखों में काजल लगाने से आंखों की सुंदरता बढ़ती है और इसे बुरी नजर से बचाव के लिए भी लगाया जाता है।

गजराः बालों की शोभा बढ़ाने के साथ–साथ पवित्रता और सुगंध का प्रतीक। कुछ महिलाएं इसे रोज पहनना पसंद करती हैं।

मांग टीकाः माथे पर पहना जाने वाला मांग टीका, सौंदर्य और अंतरात्मा व अंतर्ज्ञान बढ़ाने का प्रतीक है।

मंगलसूत्रः शादीशुदा महिलाओं के गले का महत्वपूर्ण गहना, जो विवाह और एकता का प्रतीक है।

नथ (नाक की अंगूठी): लालित्य और परंपरा से जुड़ी, नथ या छोटी टॉप्स महिलाओं की शोभा बढ़ाती हैं।

झुमकेः कान में पहने जाने वाले झुमके, स्त्रीत्व और सौंदर्य का प्रतीक हैं।

हारः गले का हार, हेवी या हल्का, शादी–ब्याह और फंक्शन में पहना जाता है। यह लुक की खूबसूरती और सांस्कृतिक महत्व बढ़ाता है।

बाजूबंदः ऊपरी भुजा पर पहना जाने वाला पारंपरिक आभूषण, जो सजावट और शक्ति का प्रतीक है।

चूड़ियांः हाथों में पहनी जाने वाली रंग–बिरंगी कांच की चूड़ियां सुहाग, समृद्धि और आनंद का प्रतीक होती हैं।

हाथफूलः शादी या फंक्शन में हाथों पर पहना जाने वाला आभूषण, समर्पण और सुंदरता का प्रतीक।

अंगूठीः हाथों की खूबसूरती बढ़ाती है और प्रतिबद्धता का प्रतीक होती है।

पायलः पैरों में पहनी जाने वाली पायल की छन–छन की आवाज सकारात्मक ऊर्जा लाती है।

बिछियाः विवाहित महिला द्वारा पैरों की उंगलियों में पहनी जाने वाली अंगूठी, प्रेम और वैवाहिक आशीर्वाद का प्रतीक।

इत्र (सुगंध): 16 श्रृंगार का अंतिम चरण। इत्र कामुकता, ताजगी और आकर्षण प्रदान करता है।

सोलह श्रृंगार न केवल सौंदर्य और परंपरा को दर्शाता है, बल्कि यह संपन्नता, प्रेम, सुरक्षा और खुशहाली के प्रतीक के रूप में भी जाना जाता है। महिलाओं के लिए यह श्रृंगार, खासकर शादी–ब्याह, तीज और त्योहारों पर, बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है।

तुलसी के पत्ते को चबाने से क्यों रोका जाता हैं? जानें धर्म और विज्ञान से जुड़ी वजहें

तुलसी की पूजा करने से न केवल मन को शांति मिलती है, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद मानी जाती है। हिंदू धर्म में तुलसी को पवित्र और पूजनीय पौधा माना गया है, वहीं आयुर्वेद में इसे गुणकारी और औषधीय गुणों वाला पौधा कहा गया है। हालांकि, धार्मिक और वैज्ञानिक दोनों दृष्टियों से तुलसी के पत्तों को चबाकर खाना वर्जित है। आइए जानते हैं इसके पीछे की वजहें।पुराणों में तुलसी को देवी लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है। इसलिए यह पौधा पवित्र और पूजनीय है। धार्मिक मान्यता के अनुसार तुलसी की प्रत्येक पत्ती में देवी का वास होता है। इसे चबाना देवी का अपमान करने के समान माना जाता है। इसी वजह से पूजा–पाठ में तुलसी की पत्तियों को तोड़कर नहीं चढ़ाया जाता।

वैज्ञानिक कारण

दांतों के लिए हानिकारकः तुलसी की पत्तियों में मर्क्यूरिक एसिड जैसा तत्व पाया जाता है, जो दांतों की ऊपरी परत को धीरे–धीरे नुकसान पहुंचा सकता है।एसिडिटी का खतराः तुलसी की पत्तियों की तासीर गरम और हल्की एसिडिक होती है। बार–बार चबाने से मुंह और पेट में एसिडिटी बढ़ सकती है।टॉक्सिन का जमा होनाः तुलसी में बहुत कम मात्रा में आर्सेनिक मौजूद होता है। ज्यादा मात्रा में चबाने से यह शरीर में टॉक्सिन जमा कर सकता है।तुलसी का सेवन करने का सही तरीका

आयुर्वेद और विज्ञान के अनुसार तुलसी के पत्तों का सेवन करना लाभकारी है, लेकिन चबाने की बजाय इसे अन्य तरीकों से लेना

सत्य सवेरा
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
प्रादेशिक न्यूज
www.satysavera.in
आजमगढ़, गुरुवार,04 दिसम्बर 2025

40 हजार के लिए दोस्त का सिर कुल्हाड़ी से काटा

न्यूड कर धड़ और सिर अलग–अलग फेंका, गोरखपुर में कातिल आयुष सिंह का कबूलनामा

लखनऊ। अंबुज ने मुझे एक अवैध पिस्टल 40 हजार रुपए में दी थी। वह खराब थी। मैंने पैसे मांगे तो विवाद हो गया। दोस्तों के साथ मिलकर बेसबॉल और डंडे से पीटकर अधमरा कर दिया। फिर उसे कार में डाल लिया। मैंने गला दबा कर मार डाला। फिर कार के अंदर ही कुल्हाड़ी से अंबुज की गर्दन काटकर अलग कर दी।उसकी पहचान न हो, इसलिए न्यूड कर दिया। हाथ में बंधे रक्षा सूत्र उतार दिए। दाएं हाथ की बीच की अंगुली में अंगूठी पहने था, उसे काटकर अलग कर दिया। शव को लेकर हम लोग 50 किमी दूर महराजगंज जिला पहुंचे। श्यामदेउरवां में नहर किनारे झाड़ियों में सिर फेंका। 10 किमी. दूर अंबुज का धड़ भी फेंक दिया।श्यह कबूलनामा है अंबुज के जिगरी दोस्त आयुष सिंह का। पुलिस ने अंबुज की हत्या में उसे मुख्य आरोपी बनाया है। एक मांगलिक कार्यक्रम में उसे बुलाकर आयुष ही लेकर गया था। घर वापस नहीं लौटने पर परिजन ने पुलिस में मिसिंग कप्लेन की।पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया तो बताया कि उसने हत्या कर लाश को ठिकाने लगा दी है। हत्यारोपी आयुष की निशानदेही पर ही पुलिस ने शवों के टुकड़ों को बरामद भी किया। मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया। एंबुलेंस में ही पिता ने बेटे का पिंडदान किया। बयान सुनने के बाद पुलिस ने आयुष को हिरासत में ले लिया। उससे थाने लाकर पूछताछ की तो उसने सच कबूल दिया।आयुष ने बताया कि 26 नवंबर को स्पोर्टस कॉलेज के पास हम दोनों ने शराब पी। मेरे साथ मेरे दो दोस्त भी थे। शराब पीने के दौरान मैंने अंबुज से कहा कि तुमने जो पिस्टल दी थी, वह चल नहीं रही है। इसको वापस लेकर मेरे पैसे लौटा दो। पैसों को लेकर हम दोनों में विवाद हो गया।मामला बढ़ा तो मैं कार से बेसबॉल और डंडे बाहर निकाल लाया। मैंने और मेरे दोस्तों ने अंबुज को पीटना शुरू कर दिया। पीट–पीटकर उसे मरणासन्न कर दिया। मैंने ही उसका गला दबा दिया। उसकी मौत हो गई।फिर मैंने दोस्तों से कुल्हाड़ी मंगवाई। उससे उसका धड़ और सिर काटकर अलग किया। पहचान न हो, उसके पूरे कपड़े उतार दिए। अंगूठी वाली उसकी अंगुली काट दी। लाश ठिकाने लगाने महराजगंज गया।एक नवंबर की रात पुलिस ने आरोपी की निशानदेही से महराजगंज से अंबुज की लाश बरामद कराई। साथ ही कुल्हाड़ी भी पुलिस बरामद की।पुलिस ने बताया कि लाश पांच दिन पुरानी हो गई थी। अंबुज का सिर मिला तो उसकी आंखें और जीभ बाहर निकल आईं थीं। धड़ सड़ गया था। शरीर पर पीटने के नीले निशान थे। जिस अर्टिका कार से लाश महराजगंज में फेंकी गई, वह आयुष के दोस्त की थी।मंगलवार सुबह पिता संतोष और उनके रिश्तेदारों को लेकर पुलिस महराजगंज पहुंची। वहां लाश की पहचान कराकर पोस्टमार्टम कराने के लिए भेजा। देर शाम 6:30 बजे एंबुलेंस से शव गोरखपुर के तिवारीपुर थाना क्षेत्र के सूर्यकुंड स्थित घर लाया गया।तनावपूर्ण माहौल की वजह से घर के आसपास 4 थानों की पुलिस और पीएसी लगाई गई थी।अंबुज की डेडबॉडी जब घर पहुंची तो मां रेखा त्रिपाठी और बहन राधा बेसुध हो गईं। परिवार के लोगों ने दोनों को संभाला। मां बार–बार अपने बेटे का नाम बोल रही थी कि रिशू को घर के अंदर लाओ। कहकर गया था कि अभी आ रहा हूं। मैं अगर जानती कि मेरा बेटा कभी नहीं आएगा, तब उसे नहीं जाने देती।पिता चुपचाप एंबुलेंस में बैठकर बेटे का शव निहार रहे थे। पिता से एंबुलेंस के अंदर ही पिंडदान और गोदान कराया गया। करीब 15 मिनट बाद शव को एंबुलेंस से ही राजघाट रवाना कर दिया गया। जहां सैकड़ों लोगों के बीच रोते हुए पिता ने बेटे का दाह संस्कार किया। इस दौरान चप्पे चप्पे पर पुलिस फोर्स तैनात रही।बता दें कि अंबुज इकलौता बेटा था। पिछले साल इंटरमीडिएट परीक्षा में फेल हो गया था। छोटी बहन राधा, 11वीं की स्टूडेंट है।

पिता संतोष, बीमा एजेंट हैं जबकि मां हाउसवाइफ।एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि आरोपियों के मोबाइल फोन का लोकेशन भी घटनास्थल के पास मिला था। आयुष सिंह समेत दो आरोपियों को तिवारीपुर पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। आयुष मुख्य आरोपी है।आयुष और अंबुज जिगरी यार थे। वह हमेशा अंबुज के घर आता जाता था। पुलिस ने गुमशुदगी के मुकदमे को हत्या, अपहरण, सबूत नष्ट करने और षड्यंत्र की धारा में तब्दील कर दी है। तीसरे हत्यारोपी की तलाश की जा रही है।

आयुष घर से अंबुज को लेकर गया था

एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि 28 नवंबर को तिवारीपुर थाने में सूर्यविहार कालोनी के संतोष मणि त्रिपाठी ने अपने बेटे की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि 26 नवंबर को उनका बेटा अंबुज (20) घर में था। तभी एक अर्टिगा कार आई। उसमें उसका दोस्त आयुष बैठा था। जब मैंने बेटे से पूछा– कहां जा रहे हो तो उसने कहा कि एक हल्दी कार्यक्रम में जा रहा हूं।इसके बाद बेटा घर से चला गया। देर रात कॉल की तो फोन स्विच ऑफ था। अगले दिन यानी 27 नवंबर को भी जब बेटा नहीं लौटा तो सब परेशान हो गए। पत्नी और बेटी रोने लगे। मैंने रिश्तेदारों में भी फोन करके पता किया लेकिन कुछ पता नहीं चला। इसके बाद वह थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।पुलिस ने अंबुज के मोबाइल को सर्विलांस पर लगाया। आसपास के करीब 50 से अधिक ब्ल्ज्ट फुटेज देखे। आयुष के घर पुलिस पहुंची। आयुष ने बताया कि मैं उसे एक हल्दी कार्यक्रम में लेकर गया था। जहां मेरी अंबुज से मारपीट हुई। इसके बाद मुझे नहीं पता कि वह कहां चला गया।

डीएम ने दिव्यांगों को बांटे सहायक उपकरण

खीरी। लखीमपुर खीरी में विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर जिले में दो प्रमुख कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने और संवेदनशीलता का संदेश दिया गया। जिलाधिकारी (डीएम) दुर्गा शक्ति नागपाल ने 23 लाख रुपये के 188 सहायक उपकरण वितरित किए और स्कूली सामग्री भी प्रदान की।डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने आदर्श मूक–बधिर विद्यालय का दौरा किया। उन्होंने बच्चों से बातचीत की और विद्यालय को 10 स्कूली बेंच सेट, थर्मस, कलर पैक तथा अध्ययन सामग्री भेंट की। बच्चों द्वारा बनाई गई पेंटिंग प्रदर्शनी की सराहना करते हुए डीएम ने कहा कि दिव्यांगता कभी हौसलों को नहीं रोक सकती।राजकीय आईटीआई के ओपन ऑडिटोरियम में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में डीएम के साथ विधायक योगेश वर्मा, विधायक मंजू त्यागी और मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) अभिषेक कुमार भी उपस्थित थे। इस अवसर पर कुल 188 सहायक उपकरण वितरित किए गए, जिनकी कुल लागत 23 लाख रुपये थी।वितरित किए गए उपकरणों में 142 ट्राईसाइकिल, 12 बैसाखियाँ, 13 व्हीलचेयर, 17 स्मार्ट केन और 4 श्रवणयंत्र शामिल थे। इसके अतिरिक्त, राजकीय दृष्टिबाधित आवासीय बालिका इंटर कॉलेज, जगसड़ की 19 छात्राओं को जैकेट, बैग और थर्मस दिए गए।कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिन्होंने सभी का मन मोह लिया। डीएम ने अपने संबोधन में कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है।

प्रयागराज में घर में लगी भीषण आग

झुलसने से पिता की मौत, मां–बेटी की हालत गंभीर, घर का सारा सामान जला

प्रयागराज में बुधवार सुबह चार बजे एक मकान में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में घर का बड़ा हिस्सा लपटों में घिर गया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। रेस्क्यू शुरू किया।जिस समय हादसा हुआ, उस समय घर में 15 लोग थे। जिस हिस्से में आग लगी, उसमें रहने वाले परिवार में पिता, मां और बेटी बुरी तरह झुलस गए। तीनों को फौरन अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान पिता की मौत हो गई। वहीं मां–बेटी की हालत गंभीर बनी हुई है।नगर निगम के सफाईकर्मी रह चुके स्वर्गीय पन्नालाल का राजापुर में गंगानगर की गली नंबर 2 में एक दो मंजिला मकान है। इस

मकान में पत्नी शकुंतला देवी और उनके चार बेटे आनंद, विजय, अजय व अनूप अपने–अपने परिवार के साथ रहते हैं। सभी भाइयों का परिवार अपने–अपने कमरे में सो रहा था।इसी बीच बुधवार की सुबह चार बजे के करीब भूतल में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। थोड़ी देर में ही पूरा मकान धू–धूकर जलने लगा। गली से गुजर रहे दो छात्रों की नजर पड़ी, तो उन्होंने शोर मचाया। तब आसपास के लोग अपने–अपने घरों से निकलकर बाहर आ गए।मकान के कमरों के अंदर तक धुआं फैल जाने से चार भाइयों का 15 सदस्यीय परिवार फंस गया था। लोगों ने भूतल में किचन की खिड़की तोड़ कर और पड़ोसी के बाजरे से किसी तरह सभी लोगों को बाहर निकला गया। दम घुटने से झुलसे घायल अजय (35), उनकी पत्नी वंदना और बेटी श्रेया और छोटे भाई अनूप के चार माह की बेटी अयान को अस्पताल ले जाया गया। लोगों ने सभी को किसी तरह बाहर निकाला और तुरंत स्वरूपरानी नेहरूअस्पताल पहुंचाया।इलाज के दौरान अजय आनंद की मौत हो गई। उनकी बेटी श्रेया और पत्नी वंदना की हालत गंभीर बनी है। घटना कैंट थाना क्षेत्र के राजापुर स्थित गंगानगर की गली नंबर–12 की है।जहां डॉक्टरों ने अजय को मृत घोषित कर दिया। इधर, आग लगने से मकान में गृहस्थी का सारा सामान, दो बाइक व दो स्कूटी समेत सबकुछ जलकर राख हो गया। छोटी गली होने की वजह से समय से फायर ब्रिगेड भी नहीं पहुंच सकी थी। हादसे के बाद पीड़ित परिवार का रो–रोकर बुरा हाल बना रहा।मृतक अजय के बड़े भाई विजय आनंद ने बताया– कल रात हम रात 12 बजे शादी से लौटे थे। उसके बाद हम लोग सब सो गए थे।

सुबह 4 बजे शोर मचने लगा। उठकर देखा तो चारों तरफ धुआं–धुआं उठा रहा था।

मैरिज हॉल पर बुलडोजर चलता देख रोईं महिलाएं

चिल्लाईं– हमें बेघर कर दिया, बरेली में दूसरे दिन भी सपा नेताओं की बिल्डिंग गिराई जा रही

यूपी। बरेली में सपा नेता मोहम्मद राशिद और सरफराज वली के मैरिज हॉल पर लगातार दूसरे दिन बुलडोजर चल रहा है। दोनों मैरिज हॉल अगल–बगल बने हुए हैं। राशिद, तौकीर रजा और सरफराज, आजम खान के करीबी बताए जा रहे हैं। दोनों ही इमारतों के टॉप फ्लोर पर सपा नेता परिवार के साथ रहते थे। यहां कुल मिलाकर 6 परिवारों के 50 लोग रह रहे थे।जैसे ही मैरिज हॉल पर बुलडोजर एक्शन शुरू हुआ, घर की महिलाएं फूट–फूट कर रोने लगीं। जोर–जोर से चिल्लाने लगीं। रोते हुए कहा– हमें बेघर कर दिया गया है, अब पता नहीं कहां रहेंगे। हम तो सड़क पर आ जाएंगे। हम पर इतना जुल्म मत करो। चीख–पुकार सुनकर मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। इलाके

में तनाव को देखते हुए 5 थानों की पुलिस और PAC तैनात की गई है। गुड मैरिज हॉल और ऐवान–ए–फरहत पर बुलडोजर एक्शनराशिद का गुड मैरिज हॉल करीब 700 वर्ग गज (6293 वर्ग फीट) में बना है। इसमें नीचे एक बड़ा हॉल और 4 कमरे हैं।

इसकी अनुमानित कीमत करीब 8 करोड़ रुपए है।सरफराज का मैरिज हॉल ऐवान–ए–फरहत करीब 1 हजार वर्गगज (9000 वर्ग फुट) में बना है। इसमें नीचे एक बड़ा हॉल और ऊपर 5 बड़े कमरे हैं। अनुमानित कीमत करीब 10 करोड़ रुपए है।तौकीर रजा पर बरेली में 26 सितंबर की हिंसा का मास्टरमाइंड होने का आरोप है। पुलिस ने अब तक 10 मुकदमे दर्ज किए हैं। इनमें हत्या की साजिश, भीड़ को उकसाने, पुलिस पर हमले और पेट्रोल बम फेंकने, लूटपाट करने, दंगा कराने जैसी गंभीर धाराएं शामिल हैं।शुरुआती जांच में इनमें से 7 मामलों में तौकीर रज़ा को नामजद किया गया।

मुस्लिम महिला#बीएलओ से बदतमीजी

टीचर ने गांव–गांव घूमकर बजाई डुगडुगी– एसआईआर करवा लो, वरना नाम कट जाएगा

यूपी। यूपी में एसआईआर को लेकर हलचल तेज है। कानपुर के आर्यनगर में एक महिला बीएलओ#शाहिदा परवीन से बदतमीजी की गई। आरोप है कि मोहम्मद नईम नाम का शख्स उन्हें परेशान कर रहा था। वह लोगों को बरगला रहा था। विरोध करने पर गाली–गलौज की। महिला की शिकायत पर बेकनगंज थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।वहीं, देवरिया के सलेमपुर में टीचर बीएलओ#मो.आफताब का गांव–गांव डुगडुगी बजाकर कह रहे हैं– एसआईआर फॉर्म जमा कर दें, नहीं तो नाम कट जाएगा। आफताब रोपन छपरा गांव के कंपोजिट विद्यालय में प्रभारी प्रधानाध्यापक हैं।मेरठ में मंगलवार देर रात बीएलओ मोहित चौधरी ने जहर खा लिया। उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया। वे आईसीयू में हैं। मुंडाली के मुरलीपुरा गांव के रहने वाले मोहित सिंचाई विभाग में वरिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत हैं। मोहित की पत्नी ने बताया– सुपरवाइजर बार–बार मोहित को फोन कर परेशान कर रहे थे। सस्पेंड कराने की धमकी दे रहे थे।इटावा में सपा के

यूपी में अब तक 9 की मौत

30 नवंबर
मुरादाबाद में टीचर BLO सर्वेश सिंह ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया

29 नवंबर
बिजनौर में SIR में लगी BLO शोभा रानी (56) की हार्ट अटैक से मौत

29 नवंबर
देवरिया में लेखपाल आशीष कुमार की ड्यूटी के दौरान तबीयत बिगड़ी, मौत

26 नवंबर
फतेहपुर में लेखपाल सुधीर कुमार ने शादी से एक दिन पहले फांसी लगाई

प्रो. रामगोपाल यादव ने कहा– 1952 से अब तक हर चुनाव से पहले वोटर लिस्ट का रिवीजन होता रहा है। लेकिन कभी एसआईआर नहीं हुआ। अचानक इसकी जरूरत क्यों पड़ी? इससे लगता है कि दिल्ली में बैठे सत्ता के लोगों की नीयत ठीक नहीं है। सत्ता पक्ष एसआईआरको घुसपैठ का मुद्दा बनाकर जनता को गुमराह कर रहा है। पीएमओ का नाम बदलने पर उन्होंने कहा–जो लोग काम नहीं करते, वे सिर्फ नाम बदलने में लगे रहते हैं। जब तक#एसआईआर#पर संसद में चर्चा नहीं होगी। तब तक किसी तरह का सुधार संभव नहीं है।उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के नेता राम गोपाल यादव के बयान पर कहा, राम गोपाल यादव अनुभवी नेता हैं और सपा सत्ता में 4 बार रही है लेकिन जब–जब चुनाव आयोग ने मतदाता सूची दुरुस्त करनी की बात की तब इन्होंने ध्यान नहीं दिया। चुनाव आयोग बस यही कर रहा है कि जो मर गया है लेकिन उसका नाम फिर भी लिस्ट में है तो उसका नाम हटा रही है.... मतदाता का नाम एक ही स्टेट में हो गांव और शहर दोनों जगह न हो, तो इनका नाम एक ही जगह करने का काम कर रहा है। तो इसे ही लोग कह रहे है कि नाम काटा जा रहा है..कही कोई बेईमानी नहीं है सब ईमानदारी से हो रहा है... हाथरस के डीएम अतुल वत्स ने बताया– जिला प्रशासन एक परिवार की तरह से है। सभी अधिकारी और कर्मचारी अपने एक दिन का वेतन मृतक के बच्चों के लिए एफडी के रूप में जमा कराएंगे। बीएलओ की पत्नी इंटर पास हैं। उन्हें नौकरी दिलाने का काम भी किया जाएगा। काम का कोई प्रेशर नहीं था। यह जानकारी मिली है कि सुबह तबीयत बिगड़ने से मौत हुई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से और स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।एसआईआर#का काम समय से पहले पूरा करने के लिए गोंडा सदर विधानसभा के बूढ़ादेवर गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय बूथ पर तैनात महिला बीएलओ और शिक्षामित्र आरती देवी को सम्मानित किया गया। आरती ने कहा– दिक्कतें बहुत आईं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सत्यम गोंड द्वारा शोभित ऑफसेट, के-540, इन्द्रलोक कालोनी, मानस नगर, लखनऊ-226023 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर, ग्राम मोहब्बतपुर, पोस्ट शाहगढ़, जिला आजमगढ़ (उ0प्र0) 276001 से प्रकाशित। सम्पादकः सत्यम गोंड, मो0 7398687275 PRGI. NO. : UPHIN/25/A1953 सभी विवादों का न्याय क्षेत्र आजमगढ़ मान्य होगा।